इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

# दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
■ डायलिसिस सुविधा उपलब्ध
■ प्रोस्टेट एवं पथरी का इलाज दूरबिन पद्धति द्वारा
■ आयुष्मान कार्ड द्वारा निः शुल्क ईलाज
बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.) मो.नं.- 9301033013

वर्ष- 43 अंक -333 राजनांदगांव, गुरूवार 24 अक्टूबर 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

## 5 साल बाद मोदी-जिनपिंग की द्विपक्षीय बातचीतः दोनों नेताओं ने 50 मिनट चर्चा की; पीएम बोले- आपसी विश्वास और सम्मान जरूरी

कज़ान (रूस)। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उपजे सैन्य तनाव को घटाने के लिए एक अहम समझौते के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात में सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की बैठक शीघ्र बुलाने पर सहमति जतायी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संवाददाताओं को इस महत्वपूर्ण बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच करीब पांच वर्ष बाद द्विपक्षीय बैठक हुई है। आखिरी बैठक 2019 में ब्रासीलिया में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी।

उन्होंने कहा कि यह बैठक सैनिकों की वापसी और गश्त समझौते और 2020 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों के समाधान के ठीक बाद हुई है। दोनों नेताओं ने स्वागत किया पिछले कई हफ्तों में राजनयिक और सैन्य चैनलों पर निरंतर बातचीत के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी। बातचीत में दोनों नेताओं ने सीमा संबंधी मामलों पर मतभेदों को हमारी सीमाओं पर शांति भंग न होने देने के महत्व को रेखांकित किया और माना कि भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों को सीमा प्रश्न के समाधान और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। विदेश सचिव ने कहा कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की भी समीक्षा की। उनका विचार था कि विश्व के दो सबसे बड़े राष्ट्रों भारत और चीन के बीच स्थिर द्विपक्षीय संबंधों का क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि परिपक्वता और बुद्धिमत्ता के साथ और एक-दूसरे की संवेदनशीलता, हितों, चिंताओं और आकांक्षाओं के लिए पारस्परिक सम्मान दिखा कर, दोनों देश शांतिपूर्ण, स्थिर और लाभकारी द्विपक्षीय संबंध बना सकते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और अमन-चैन की बहाली हमारे द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की राह पर लौटने के लिए जगह बनाएगी।

विदेश सचिव के अनुसार दोनों नेताओं ने कहा कि अधिकारी अब हमारे संबंधित विदेश मंत्रियों के स्तर सहित प्रासंगिक आधिकारिक द्विपक्षीय वार्ता तंत्र का उपयोग करके रणनीतिक संचार बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर चर्चा करने के लिए अगला कदम उठाएंगे। ब्रिक्स और इस विशेष मंच पर भारत और चीन के बीच सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी उनके बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

## प्रियंका ने वायनाड लोकसभा से नामांकन दाखिल किया

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगामी 13 नवंबर को होने वाले वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। श्रीमती वाड्रा ने कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर डी. आर. मेघश्री के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वह दोपहर करीब 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचीं और नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी करने में करीब 35 मिनट का समय लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी के संगठन सचिव के सी वेणुगोपाल नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके साथ रहे। बाद में श्रीमती वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रदेश अध्यक्ष पनक्कड़ शिहाबली थंगल भी उनके साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे।

श्रीमती सोनिया गांधी और श्रीमती वाड्रा मंगलवार को वायनाड पहुंच गयी थीं, जबकि श्री खरगे और राहुल गांधी आज सुबह यहां पहुंचे। नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा नए बस स्टैंड से कलपेट्टा तक करीब 10.30 बजे रोड शो शुरू हुआ। कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता करीब 1.5 किलोमीटर लंबे सामूहिक रोड शो में शामिल हुए, जो करीब तीन घंटे तक चला। रोड शो के दौरान हजारों की संख्या में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रितक मोर्चा (यूडीएफ) के कार्यकर्ता और महिलाओं और बच्चों सहित सभी क्षेत्रों के लोग पार्टी के झंडे, ढोल, तख्तियां लेकर अपने प्रिय नेताओं को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर उमड़ पड़े।

श्रीमती वाड्रा ने नामांकन दाखिल करने से पहले कलपेट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैंने 1989 से लेकर पिछले 35 सालों तक अपने पिता राजीव गांधी, मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी के लिए प्रचार किया है, लेकिन यह पहली बार है कि मैं अपने लिए प्रचार कर रही हूं। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देती हूं। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा, वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से दो सांसद हैं, एक आधिकारिक और दूसरा अनौपचारिक होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रियंका गांधी और वह दोनों मिलकर काम करेंगे और लोकसभा में वायनाड के लोगों के मुद्दों को उठाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रियंका वायनाड के लोगों की जरूरतों के लिए त्याग करेंगी, जैसा कि वह अब तक अपने परिवार के सदस्यों और अपने दोस्तों के लिए कर रही हैं। वह वायनाड के लोगों को अपना परिवार मानती हैं। उन्होंने वायनाड के लोगों से अपील की कि वे प्रियंका गांधी का ख्याल रखें और वह संसद में आपके लिए जरूरी काम करेंगी और मैं भी आपके लिए काम करूंगा।

श्री खरगे ने कहा, हम देश की एकता के लिए उम्मीद और ताकत के साथ एक साथ आए हैं। वायनाड के लोग भारी अंतर से जीत सुनिश्चित करेंगे, क्योंकि वायनाड निर्वाचन क्षेत्र और कांग्रेस का गहरा लगाव है। मैं वादा करता हूं कि प्रियंका गांधी वायनाड के लोगों की अथक हिमायती रहेंगी। उनकी सेवाएं न केवल वायनाड के लिए बल्कि देश के विकास के लिए भी जरूरी हैं।

## उद्धव की शिवसेना ने जारी की 65 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, एकनाथ शिंदे के सामने उतारा हुकुम का इक्का

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे नीत शिवसेन ने बुधवार को 65 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ठाकरे की शिवसेना ने अपनी पहली सूची में लगभग उन सभी विधायकों को फिर से टिकट दिया है, जिन्होंने जून 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बावजूद उनका साथ दिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ उनके सियासी गुरु आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को मौका दिया गया है। जबकि आदित्य ठाकरे को एक बार फिर मुबई की वर्ली सीट से उतारा गया है। उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर उन लगभग सभी विधायकों को मौका दिया है जो शिवसेना में विभाजन के बाद उनके खेमे में आये थे। आदित्य ठाकरे को वर्ली से दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है। बांद्रा पूर्व से वरुण सरदेसाई को टिकट दिया गया है। जबकि शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के सामने ठाणे शहर के कोपरी-पाचपाखाडी से केदार दिघे को प्रत्याशी बनाया है।

बता दें कि विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी ने आज विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फार्मूला फाइनल कर लिया है। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार) शामिल है। मुंबई में सीट शेयरिंग पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

## शिवराजसिंह चौहान को दी बड़ी जिम्मेदारी, पीएम नरेंद्र मोदी की गुड बुक में आए कृषि मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ बीजेपी नेता, पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान अब पीएम नरेंद्र मोदी की गुड बुक में आ गए लगते हैं।

यही कारण है कि उन्हें बेहद अहम काम सौंपा गया है। कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान अब नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं की मॉनिटरिंग का जिम्मा संभालेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने केन्द्रीय कृषि मंत्री को योजनाओं के लिए बने मॉनिटरिंग रुप का अध्यक्ष बनाया है। खास बात यह है कि इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और पीयूष गोयल को यह जिम्मेदारी दी गई थी जोकि पीएम नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के बेहद विश्वस्त माने जाते हैं। शिवराजसिंह चौहान को मॉनिटरिंग ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त करना, *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

## बिजली विभाग के कर्मचारियों को 12000 रुपये बोनस

**मुख्यमंत्री ने किया बड़ा ऐलान, कर्मचारियों को एरियर्स सहित डीए के बाद बोनस की भी घोषणा**

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ में राज्य कर्मचारियों को दिवाली चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा है। अब राज्यकर्मियों को 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जायेगा। हालांकि बिजली विभाग के कर्मचारियों को जल्द ही 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने का प्रस्ताव भेजा गया है। सब कुछ ठीक रहा तो बिजली विभाग के कर्मचारियों को एरियर्स के साथ महंगाई भत्ता 53 प्रतिशत मिलना शुरू हो जायेगा। आज मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग के कर्मचारियों के लिए एक और बड़ा ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पावर कंपनी के कर्मचारियों को अधिकतम 12000 रुपए बोनस देने की घोषणा की। इस घोषणा से बिजली विभाग के कर्मचारियों की दिवाली और मजेदार हो गयी है। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

## कोर्ट की सख्ती, अलग जेलों में रहेंगे शराब, कोल और चावल घोटाले के पांच आरोपी

रायपुर। आबकारी, कोयला और कस्टम मिलिंग घोटाले में जेल में बंद आरोपितों को प्रदेश की अलग-अलग जेलों में रखने का आदेश दिया गया है। आरोपितों को जेल में वीआईपी सुविधा दी जा रही थी। वहीं, एक साथ जेल में रहकर सिंडिकेट चलाने की शिकायत मिलने के बाद ईडी ने आवेदन लगाया था, जिसके बाद यह आदेश स्पेशल कोर्ट ने पारित किया है।

आबकारी (शराब) घोटाले के आरोपित अनवर ढेबर को अंबिकापुर जेल, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को कांकेर जेल, एपी त्रिपाठी को जगदलपुर जेल, कोयला घोटाले के मुख्य सरगना सूर्यकांत तिवारी को जगदलपुर जेल में रखने को कहा गया है। कस्टम मिलिंग के आरोपित मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी को दंतेवाड़ा जेल में भेजा जाएगा।

**इन जेलों में रखे जाएगे आरोपी**

- अनवर ढेबर को अंबिकापुर जेल
- अनिल टुटेजा को कांकेर जेल
- एपी त्रिपाठी को जगदलपुर जेल
- मनोज सोनी को दंतेवाड़ा जेल
- सूर्यकांत तिवारी को जगदलपुर जेल

**इन तिथियों में हुए थे अस्पताल में भर्ती**

शराब घोटाले के आरोपित अनवर ढेबर को 14 जून 2023 को आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद वे 22 से 24 जुलाई तक अस्पताल के मेडिसिन विभाग में भर्ती रहे। वहीं, त्रिलोक ढिल्रन का 22 जून से आठ जुलाई तक अस्पताल में इलाज कराया गया। फिर 12 अगस्त से 16 अगस्त तक अस्पताल में रखा गया। नितेश पुरोहित और सुनील अग्रवाल को आठ से 14 दिसंबर 2022 तक फिर 15 दिसंबर से 23 दिसंबर 2022 तक अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

# पेयजल की किल्लत से जूझ रहे लखोली नाकावासी, वार्ड के नलों की धार पतली

राजनांदगांव (दावा)। बारिश के दिनों से ही लखोली नाका वार्डवासी पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं। निगम से इसकी कई बार शिकायत की जा चुकी है। इसके बाद भी वार्डवासियों की परेशानी की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा था। अंत में परेशान होकर वार्ड पार्षद श्रीमती उत्तरा दामले और उसके पति अरुण दामले ने पेयजल संकट से जूझ रहे लखोली नाका वासियों से दस्तखत करवाकर कलेक्टर के पास जनदर्शन में शिकायत की और सप्ताह भर में पेयजल समस्या निदान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके बाद हरकत में आकर निगम द्वारा लखोली नाका में पेयजल समस्या का फाल्ट पता लगाने कर्मचारी को भेजा गया।

**निगम कर्मी कांक्रीट सड़क खोद-खोदकर, कर रहे बुरा हाल, फिर भी नहीं मिल रहा फाल्ट**



## लोगों की आवाजाही में हो रही दिक्कतें

बता दें कि पिछले तीन-चार दिनों से नल-जल विभाग कर्मी लखोली नाका अशोक राइस मिल रोड, प्राथमिक स्कूल के सामने की सड़क को सदियों जगह से खोद-खोद कर परेशान हैं। लेकिन उन्हें नलों में कम पानी आने का फाल्ट नहीं मिल रहा। कर्मियों द्वारा जगह-जगह कांक्रीटीकरण किए सड़क को खोद-खोद कर गड्ढा किए जाने से सड़क की पूरी दुर्गति हो गई है पर फाल्ट नहीं मिल पाया। पार्षद प्रतिनिधि अरुण दामले ने बताया कि उसके वार्ड में कभी पानी की किल्लत नहीं थी। नलों में भरपूर पानी आता था। लेकिन जब से अमृत मिशन का 4 इंच का पाइप लाइन जोड़ा गया है तब से वार्ड में पानी की किल्लत बनी हुई है। अमृत मिशन के पाइप लाइन का साइज़ कम होने के कारण नलों में फोर्स नहीं है। नलों की धार पतली हो चुकी है। इसके चलते लखोली नाकावासियों को नलों से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाता। आलम यह है कि बरसात के दिनों में वार्डवासियों को पानी के लिए भटकनी पड़ी है। बारिश खत्म होने के बाद भी नलों में फोर्स नहीं आने के कारण वार्ड में पेयजल किल्लत बनी हुई है।

### पाइप लाइन 6 इंच किए जाने की जरूरत

वार्ड के पार्षद व रहवासी घनश्याम शर्मा, मनीष, नरेश गढ़पायले, दिनेश शर्मा, पांचों बाई तूंगन बाई, शारदा साहू, कन्हैया शर्मा, श्रवण साहू आदि ने बताया कि वार्ड में भागीरथी नल जल योजना के तहत 6 इंच पाइप लाइन बिछे होने के चलते कभी भी पानी की किल्लत नहीं हुई। नलों में भरपूर पानी आता था। लेकिन जब से अमृत मिशन का 4 इंच पाइप लाइन डाला गया है तब से वार्ड में पानी की किल्लत विद्यमान है। निगम आयुक्त को इस संबंध में जानकारी देकर वार्ड में पुनः 6 इंची पाइप लाइन डाले जाने की बात कही गई है लेकिन बजाय 6 इंच पाइप लाइन डाले जाने के लखोली नाका की मुख्य सड़क को फाल्ट पता लगाने के नाम पर जगह-जगह गड्ढा खोदकर इसका बुरा हाल किया जा रहा है। पार्षद प्रतिनिधि अरुण दामले ने कहा है कि यदि वार्ड में पानी की किल्लत समाप्त करने के लिए अमृत मिशन के 4 इंच पाइप लाइन को बदलकर 6 इंच पाइप लाइन नहीं डाला गया तो पेयजल समस्या से जूझ रहे लखोली नाका वासियों को लेकर सड़क पर आकर आंदोलन करने से नहीं चुकेंगे।

बहरहाल निगम द्वारा लखोली नाका वासियों की पेयजल संबंधी वास्तविक समस्या की ओर ध्यान दिलाए जाने के बावजूद उन्हें परेशानियों से निजात नहीं दिलाया जा रहा, इससे वार्डवासियों ने आक्रोश की स्थिति निर्मित हो रही है। कहा जा रहा है कि बेहतर होगा पहले की तरह लखोली नाका वार्ड में 6 इंची पाइप लाइन डाला जा कर उन्हें पेयजल किल्लत से निजात दिलाई जाए।

# आश्रित ग्राम दर्राबांधा को पंचायत का दर्जा दिलाने डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन

**मांग पूरी नहीं होने पर आगामी पंचायत चुनाव बहिष्कार की चेतावनी**

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम पंचायत तेंदुनाला के आश्रित ग्राम दर्राबांधा को पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए ग्रामवासियों ने डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन सौंपा है। क्षेत्र के विधायक व छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमनसिंह को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामवासियों ने कहा कि वे सभी ग्राम पंचायत तेंदुनाला के आश्रित ग्राम दर्राबांधा के निवासी है।

उनके ग्राम की जनसंख्या वर्तमान में 1300 से अधिक है। इतने विशाल ग्राम को किसी अन्य ग्राम पंचायत से आश्रित होने से अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, साथ ही ग्राम के विकास पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि विगत कई वर्षों से ग्रामवासियों को शासन-प्रशासन से केवल आश्वासन मात्र ही मिलता रहा है।

चूंकि पंचायत चुनाव निकट है, इसलिए आपसे से निवेदन है कि ग्रामजनों की सुविधा, विकास के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए 'आश्रित ग्राम-दर्राबांधा' को त्वरित नया ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने हेतु आदेशित करें। साथ ही कहा गया है कि यदि ग्रामवासियों की इस न्यायोचित मांग को शासन-प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लिया गया तो इस स्थिति में समस्त ग्रामवासी आगामी पंचायत चुनाव का पूर्णतः बहिष्कार करेंगे। ज्ञापन में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों के हस्ताक्षर हैं।

## पहला कॉलम...

### छ.ग. ड्राईवर महासंघ ने तीन सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। छ.ग. ड्राईवर महासंगठन शाखा राजनांदगांव ने कलेक्टर को तीन सूत्रीय मांग का ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें हमारे प्रदेश कोषाध्यक्ष हेमनाथ देवांगन और जिला सचिव जय नारायण वैष्णव और जिला कोषालय ननकाराम साहू एवं अन्य सदस्य शामिल थे और 7 माह का समय दिया गया है, हमारे मांगों को लेकर अगर मई तक हमारी मांग पूरा नही करते है तो स्टेयरिंग छोड़ों आंदोलन पूरे छ.ग. में करेंगे।



### रामा भाई का सत्संग कल आश्रम में

राजनांदगांव (दावा)। श्री योग वेदांत सेवा समिति राजनांदगांव के तत्वाधान में कल 25 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 10 बजे से संत श्री आशारामजी बापू के कृपा पात्र साधक शिष्य रामा भाई (अहमदाबाद) का एक दिवसीय गीता भागवत सत्संग का आयोजन मोहारा वार्ड नंबर 47 स्थित संत आशारामजी आश्रम में रखा गया है। योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष रोहित चंद्राकर व कोषाध्यक्ष टीके चंद्राकर ने बताया कि दीपावली पर्व के निमित्त रामा भाई का सत्संग कार्यक्रम किया जा रहा है। सत्संग कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगी। सत्संग के अंत में भोजन भंडारा का व्यवस्था भी किया गया है। संस्था के लेखराम साहू एवं दिलीप सिन्हा ने जिले के समस्त साधकों को अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वस्थ्य, सुखी व सम्मानित जीवन प्रदान करने एवं रोग, शोक को दूर करने वाली अमृतमय सत्संग कार्यक्रम का श्रवण करने हेतु अपील किया है।

### आज राज्योत्सव की तैयारी के संबंध में बैठक

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 24 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राज्योत्सव की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार राज्योत्सव 2024 के अवसर पर 5 नवम्बर 2024 को जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

### गेंदमल जैन का निधन

डोंगरगढ़ (दावा)। स्थानीय फिट सिटी जिम के संचालक गिरीश जैन के पिता गेंदमल जैन (कांकरिया गुरुजी) का लंबे समय से अस्वस्थता के चलते 23 अक्टूबर को रात्रि में 9 बजे निधन हो गया है। इनका अंतिम संस्कार छिरपानी मुक्तिधाम में आज 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे किया जाएगा।

dts श्री कृष्णा (एयरकूल) में
ता. 25 से स्त्री-2
रोजाना 4 खेलों में
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
समय : 12,3, 6 व 9 बजे रात्रि
छत्तीसगढ़ी भाषा में
दस्तावेज
कलाकार - अनील सिन्हा, सुमन पटनायक आदि।

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show
SILVER SCREEN MULTIPLEX
21st OCT to 24th OCT 2024
silver SCREEN



Vicky Vidya Ka Who Wala Video (Hindi) - 12:30, 03:30, 06:30 and 09:30 pm




Jigra (Hindi) - 12:00, 03:00, 06:00 and 09:00 pm



Vettaiyan (Hindi) - 12:15, 03:15, 06:15 and 09:15 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

# यात्रियों द्वारा यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से अनारक्षित रेल यात्रा टिकटों की बुकिंग हेतु किया प्रेरित

**मोबाइल ऐप से जनरल टिकट की खरीदी में हो रही है लगातार बढ़ोत्तरी**



राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्री सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस श्रृंखला में ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा के बाद मोबाइल से ऐप द्वारा जनरल टिकट खरीदने की सुविधा यात्रियों को दी गई है। इस सुविधा से यात्रियों को स्टेशन पर आकर टिकट काउंटर से लाइन में खड़े होकर टिकट खरीदने की बाध्यता समाप्त हो गई है। इस यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप को यात्रियों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है एवं दिनों-दिन इस सुविधा के उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली लाइनों से निजात दिलाने तथा शीघ्र टिकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घर बैठे यात्रा टिकट बुकिंग के साथ-साथ सीजन टिकट (एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक कुल आरक्षित टिकटों की बुकिंग में प्रतिशत से भी मोबाइल टिकटिंग से बुक यात्रियों की संख्या में 19.85 प्रतिशत रहा जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 11.97 प्रतिशत था।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि त्वरित घर बैठे आसानी से इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट (एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने की इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठावें। यात्री सुविधाओं में डिजिटलीकरण का समावेश हमेशा से रेलवे का लक्ष्य रहा है।

इसके अलावा इस व्यस्वस्था को और अधिक सुविधायुक्त बनाने हेतु बुकिंग सहित पी आर एस काउंटरों पर भी क्यूआर डिवाइस की सुविधा दी गई है। मंडल द्वारा रेल यात्रियों के लिए अधिक सहज, कुशल एवं कैशलेस टिकटिंग अनुभव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिलीप सिंह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के मार्गदर्शन में रेल यात्रियों को निरंतर इसके उपयोग हेतु जोर दिया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सभी यात्रियों से अनुरोध करती है कि वे यात्रा टिकटों की खरीदी के लिए इन सुविधाओं एवं टिकट काउन्टरों पर उपलब्ध क्यू आर डिवाइस की सुविधा का उपयोग कर अपनी यात्रा को सुगम बनाएं।

# राज्य स्तरीय क्रिकेट में एन.पी.एस. के छात्रों का वर्चस्व



राजनांदगांव (दावा)। जिले के अग्रणी एवं प्रतिष्ठित स्थानीय शैक्षणिक संस्थान नीरज पब्लिक स्कूल, पेण्ड्री के तीन छात्रों कक्षा 8वीं के वर्णित सीमांकर, कक्षा नवमीं के श्रीधर वैष्णव एवं कक्षा सातवीं के सानिध्य साहू ने गत् 20 अक्टूबर को जिला बिलासपुर के पेण्ड्रा में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में क्रिकेट स्पर्धा में दुर्ग संभाग की टीम में खेलते हुए अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया।

दुर्ग संभाग की टीम ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम का सफल नेतृत्व शाला के क्रिकेट प्रशिक्षक हिमांशु यादव द्वारा किया गया।

इस उपलब्धि हेतु शाला के खेल विभाग का भी सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर शाला प्राचार्या सुश्री भारती गौते एवं निदेशकगणों सहित सम्पूर्ण शाला परिवार ने छात्रों की इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

### शिवनाथ रत्न सम्मान हेतु रचनायें आमंत्रित

राजनांदगाँव (दावा)। श्री शिवनाथ क्षेत्रीय विकास समिति द्वारा हिन्दी भाषा में लेखन प्रकाशन एवं पठन-पाठन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष स्वर्गीय ममता जैन की स्मृति में शिवनाथ रत्न पुरस्कार एवं पाँच हज़ार की नगद राशि उस लेखक को प्रदान किया जाता है जिनका चयन समिति को प्राप्त रचनाओं में से सम्मानित योग्य ग्रंथ का चयन किया जाता है। अंचल के लेखकों से हिन्दी में लिखित एवं प्रकाशित ग्रंथ की प्रति दिनांक 05/11/2024 तक डॉ डी सी जैन, अध्यक्ष, श्री शिवनाथ क्षेत्रीय विकास समिति, नंदई चौक, राजनांदगाँव, मो.नं 9300283473 पर सादर आमंत्रित हैं।

# वार्डवासियों के साथ पार्षद शास्त्री ने भी कराया सिकलसेल टेस्ट




राजनांदगांव (दावा)। स्वास्थ विभाग और मितानिन दीदियों द्वारा राजीव नगर वार्ड क्रमांक 42 में सिकलसेल जांच शिविर का आयोजन किया गया।

120 लोगों ने सिकलसेल जांच कराई जिसमें 5 पॉजीटिव मिले शेष नेगटिव रहे, बीपी की भी जांच हुई, पार्षद ऋषि शास्त्री ने भी जन जागरूकता के अपनी जांच कराई, प्रेरक दीदी किरण यादव, आशा दीदी, गायत्री साहू, अनसुइया साहू, मंजुला सावलकर ने अपनी भूमिका निभाई।

# दिनेश कुमार श्रीवास्तव का निधन



राजनाँदगाँव (दावा)। स्थानीय गांधीनगर बसंतपुर निवासी दिनेश कुमार श्रीवास्तव (65 वर्ष) का दुःखद निधन गत रात्रि हो गया है। ग्रामीण बैंक में प्रबंधक के पद पर पदस्थ रहते हुए वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हुए श्री श्रीवास्तव गत कुछ समय से अस्वस्थ्य थे, जिनका उपचार रायपुर के स्पर्श चिकित्सालय में चल रहा था।

आज उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास से निकाली गयी तथा उनका अंतिम संस्कार लखोली स्थित मुक्तिधाम में किया गया। जिसमें नगर पालिका निगम के अध्यक्ष हरिनारायण (पप्पू) धकेता, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनोज चौधरी, महासभा के संस्थापक अध्यक्ष व परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कुमार श्रीवास्तव तथा महासभा के क्रियाशील सदस्यगण नरेश कुमार श्रीवास्तव, पोपटलाल श्रीवास्तव, पीताम्बर लाल श्रीवास्तव, रविंद्र श्रीवास्तव (मुन्नू भैया), कृष्णकांत श्रीवास्तव, प्रतीक श्रीवास्तव, प्रभाकर श्रीवास्तव, सन्नी श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव व सामाजिक सदस्यों सहित सभी चिर-परिचित, मित्रगण व गणमान्यजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ कायस्थ महासभा, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद (पंजी.) (छत्तीसगढ़ प्रांत) के द्वारा मुक्तिधाम के हाल में शोकसभा आहूत कर मुक्तात्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर भगवानजी से प्रार्थना की गयी तथा शोकाकुल परिवार को यह असह्य पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

# ऑर्किड के मनोहारी फूल को निहारना जैसे खुशनुमा वादियों में चले जाने की तरह

**राजनांदगांव (दावा)। ऑर्किड के मनोहारी फूल को निहारना जैसे खुशनुमा वादियों में चले जाने की तरह है। मुग्ध कर देने वाले विदेशी प्रजाति के इस फूल को लगाने की विधि भी अनोखी है। अभी तक आपने सुना होगा कि मिट्टी में हर तरह के पौधे लगाए जाते हैं।**

- जिले में पहली बार की जा रही आर्किड की खेती
- राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 18 लाख 88 हजार रूपए का दिया गया अनुदान
- फूलों की खेती से साक्षी को लगभग 8 से 10 लाख रूपए का होगा मुनाफा

लेकिन पहली बार यह पता चला कि कोयले में ऑर्किड की खेती की जाती है। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम कोलिहापुरी के साक्षी देवांगन के पॉली हाउस में ऑर्किड के फूलों की खेती पहली बार की जा रही है। यहां के फूल खासतौर पर नागपुर भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर भी इन फूलों की डिमांड है।

डेंड्रोबियम वेरायटी के आर्किड के गुलाबी एवं सफेद फूल राजनांदगांव जिले में आर्किड की पहली फसल है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 16 लाख 88 हजार रूपए का अनुदान दिया गया है। यह हाई वैल्यू क्रॉप है। आर्किड की खेती के लिए 6 लाख 10 हजार रूपए अनुदान दिया जाना है। एक स्टिक की कीमत 10 से 12 रूपए है। अभी आधा एकड़ में खेती की गई है, जिससे लगभग 8-10 लाख रूपए का मुनाफा होगा। आने वाले समय में यह मुनाफा एक एकड़ के हिसाब से 15 से 20 लाख रूपए तक हो जाएगा। स्प्रिंकलर से सिंचाई की जा रही है। सुपरवाईजर राजकुमार ने बताया कि यहां स्थानीय स्तर पर महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है। आर्किड की खेती के लिए देखरेख करने का कार्य कर रहे हैं।

शासन की लोकहितैषी योजनाओं से किसानों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है और वे आधुनिक कृषि पद्धति को अपना रहे हैं। गौरतलब है कि शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसान उद्यानिकी फसल ले रहे है और फ्लोरीकल्चर को अपना रहे हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन में जिले में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है। सहायक संचालक उद्यानिकी राजेश शर्मा ने बताया कि आधा एकड़ में 22 हजार पौधे लगाए गए हैं। आने वाले समय में यह फसल 6-7 वर्ष चलेगी। कृषक को एक एकड़ के मान से 15-20 लाख रूपए शुद्ध फायदा होगा। उद्यानिकी विभाग से किसानों को पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है और कृषकों को लाभ देने के लिए कार्य कर रहे हैं।

**किराये से देना है**

कंचनबाग में सर्वसुविधायुक्त दो मंजिला भवन आफिस के लिये किराये से देना है। 3 बेडरुम, किचन, 3 हाल अटैच लेटबाथ गार्डन सहित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। किराये से देना है।

-: संपर्क करें :-
मो. 8319936007

**शुभांक**

अनुमानित

बी. के
2-4-8
680-4 478-9
राजधानी
3-6-0
589-2 335-1

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

**न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला**
**क्रमांक:202409090100028/अ-6(अ)**

विषय:- अ-6 अ मामले की श्रेणी:-
राजस्व सन:- 2023-2024
भैंसरा (प.ह.नं. 00019),
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार - श्री शिवकुमार एवं अन्य 01.
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन,

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण श्री शिवकुमार आ. बलभद्र प्रसाद एवं अन्य 01, निवासी ग्राम भैंसरा. तहसील डोंगरगढ़ द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत छ.ग. 1959 भू-राजस्व संहिता धारा 107 के तहत प्रस्तुत कर बताया गया है, कि ग्राम भैंसरा, तहसील डोंगरगढ़ स्थित भूमि खसरा नं. 43/3 रकबा 13 डिसमिल तथा खसरा नं. 43/2 रकबा 4 डिसमिल भूमि के आवेदकगण मालिक है। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी नक्शें में छोटा बनाने के कारण मूल नक्शा में सुधार करने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ विक्रय पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, ऋण पुस्तिका तथा अधिकार अभिलेख की प्रति प्रस्तुत किया गया है। मो. 8085654008

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 07.11.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2024 को जारी किया जाता है।

**तहसीलदार तहसील - डोंगरगढ़**

**समक्ष :- न्यायालय श्रीमान् व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, डोंगरगढ़ जिला - राजनांदगांव छ.ग.**

ज्ञापन

उत्त.प्र.क्र.- 12/2024 श्रवण तिथि 28/11/2024
प्रोसेस नम्बर :- 267/24
लीलाधर साहू वगैरह आवेदक/वादी
//विरुद्ध //
पितांबर साहू वगैरह अनावेदक/प्रतिवादी
बनाम- आम जनता, जिस किसी का हित हो

आवेदक के द्वारा पितांबर साहू वगैरह के विरूद्ध इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। आवेदक के चाचा राधेश्याम की शादी नही होने के कारण उनका कोई संतान नहीं था इसलिए उन्होने आवेदक को अपने साथ 10 वर्षों से रखा था तथा आवेदक ही उनका देख-रेख करता था। आवेदक के चाचा राधेश्याम की मृत्यु दिनांक 03.05.2024 को हो गई है। राधेश्याम द्वारा अपने समस्त संपत्तियों को आवेदक के नाम पर वसीयतनामा कर दिया गया है। मृतक राधेश्याम के नाम पर भारतीय स्टेट बैंक डोंगरगढ़ में बचत खाता में 23,000 रूपये तथा एफ डी में 3,00,000 रूपये कुल 3,23,000 रूपये जमा है। उक्त वसीयतनामा के आधार पर आवेदक संपूर्ण संपत्ति व बैंक में जमा राशि प्राप्त करने का अधिकारी है। जिस हेतु भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा सक्षम न्यायालय से उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। अतः आपत्ति ईस्तहार का प्रकाशन किया जा रहा है, तथा अपेक्षा की जा रही है कि जिस किसी को आपत्ति हो, न्यायालय में पेशी दिनांक 28/11/2024 को प्रातः 11:00 बजे आवेदन का उत्तर देने के लिए, इस न्यायालय मे स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा हाजिर हो सकते है जिन्हे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस दावे संबंधित सारवान तथ्यो का उत्तर दे सके, या जिसके साथ कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सके, आपको यह भी निर्देश दिया है कि आप उस दिन सभी दस्तावेजो को पेश करे जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।

आप को सूचित किया जाता है कि आप अथवा आपका प्लीडर उपर बताई तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नही होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा, यदि किसी कारणवश उक्त पेशी तारीख को सार्वजानिक अवकाश घोषित किया जाता है या यदि किसी कारणवश कार्य स्थगित किया जाता है तो अगले कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जावेगी। अतः आज तारिख 18/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

**(भूपत सिंह साहू)**
**व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी**
**डोंगरगढ़, जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)**

# पुष्य नक्षत्र : धनतेरस से पहले गुरुवार को बाजार में जमकर बरसेगा धन

**नक्षत्रों के राजा पुष्य सहित चार योगों का बन रहा महामुहूर्त, उक्त योग में खरीदी मानी जाती है शुभ, घर में आती है बरकत**

राजनांदगांव (दावा)। आज नक्षत्रों के राजा पुष्य नक्षत्र का शुभ योग बना हुआ है। इस दिन कीमती धातुएं सहित अन्य चीजों की खरीदी शुभ मानी जाती है। बता दें कि दिपावली व धनतेरस पर्व के पहले बन रहे इस शुभ योग व मुहुर्त में खरीदी की जाने वाली चीजों से घर में बरकत होती है। जानकारों की मानें तो आज न केवल पुष्य नक्षत्र का शुभ योग बना हुआ है, इसके साथ चार योगों के एक साथ होने से खरीदी के लिए महामुहूर्त बन रहा है। इसे देखते हुए आज बाजार में जमकर धन वर्षा होगी ऐसी उम्मीद की जा रही है। इधर पुष्य नक्षत्र में बाजार में खरीदारी बढ़ने को लेकर व्यवसायियों के चेहरे में रौनक देखी जा रही है। इसके साथ ही लोगों में योग मुहुर्त में खरीदी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

### सबसे ज्यादा बिकेगा सोना

इस समय सोने की कीमत लगातार आसमान पर जा रही है। अब तो कीमत 80 हजार के पार हो गई है। इसी के साथ चांदी भी एक लाख के करीब है। कीमत में धनतेरस तक और इजाफा हो जाएगा। पुष्य नक्षत्र पर सराफा बाजार में करोड़ों का कारोबार होने की संभावना है। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज बैद के मुताबिक दीपावली तक जिले में 50 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। चांदी कारोबारी के मुताबिक चांदी का कारोबार भी भरपूर होगा।

इन परिस्थितियों में आज 24 अक्टूबर गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होने से बाजार खुलकर दमकेगा और जमकर खरीदारी होगी। बता दें कि पंच दिवसात्मक पर्व दीवाली को लेकर शहर का बाजार पहले से ही सज-धज कर तैयार है। इसकी आज पुष्य नक्षत्र पर योग और मुहुर्त के हिसाब से पहली खरीदी होगी। इस दिन पुष्य नक्षत्र के साथ-साथ महालक्ष्मी, सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग भी बन रहे है। एक ही दिन में इतने शुभ योग व मुहूर्त होने से खरीदारी व निवेश करने सहित नए कार्य या नई शुरुआत के लिए यह शुभ माना जा रहा है। शहर के सुप्रसिद्ध ज्योतिषी पतंजलि बाजपेई ने बताया कि इस नक्षत्र व योगों के शुभ संयोगों के चलते सोने-चांदी व कीमती ज्वेलरी सहित बर्तन, कपड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान, दो पहिया व चारपहिया वाहनों के अलावा फर्नीचर, आलमारी आदि की खरीदी प्रापर्टी खरीदी व निवेश में फायदा देने वाला होगा।

उन्होंने बताया कि पुष्य नक्षत्र पर पीतल के बर्तन के अलावा स्टील के बर्तन भी अधिक खरीदें जाते हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक आइटमों में कम्प्यूटर लैपटॉप, एलइडी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, गीजर मोबाइल की भी जमकर खरीदारी की जाती है। वैसे भले ही सोना 80 हजार रुपए के आसपास चला गया है लेकिन किमती धातुएं के शौकीन लोग आज शुभ मुहूर्त में इन चीजों कि खरीदी से हाथ नहीं खींच पाएंगे। इससे आज पुष्य नक्षत्र सहित अन्य योगों के संयोगों के चलते शहर का बाजार गुलजार बना रहेगा। बाजार में चहल-पहल बनी रहेगी और जमकर धनवर्षा भी होगी।

### बाजार होगा गुलजार

बता दें कि दीपावली पर्व के पहले सरकारी कर्मचारियों को छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से मिलने वाले वेतन का बड़ा तोहफा तथा कर्मचारियों के डीए बढ़ने सहित बोनस मिलने से हाथ गर्म बना रहेगा। इसी तरह इस साल फसल अच्छी होना व नवंबर माह में ही सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में धान खरीदी किए जाने से किसानों के भी बल्ले-बल्ले है। इससे लोगों दोनों हाथ खर्च कर सकेंगे। दीवाली का त्योहार इनका जलवेदार रहेगा।

### कपड़ों की भी जमकर खरीदारी

कपड़ों की भी जमकर खरीदारी हो रही है। पुष्य नक्षत्र पर भी बाजार गुलजार रहेगा। कपड़ा व्यवसायी सन्नी जैन के मुताबिक शहर के साथ आसपास के ग्रामीण अंचल के कारोबारी भी खरीदारी करने पहुंचे हैं। इसी के साथ लोकल ग्राहक आ रहे हैं। दीपावली के बाद शादियों का सीजन भी रहेगा, ऐसे में पुष्य नक्षत्र में भी अच्छी खरीदारी होगी।

### जमकर बिकेगा वाहन

पुष्य नक्षत्र पर वाहनों की खरीदारी को भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में धनतेरस की तरह ही वाहन बिकेंगे। दस करोड़ से ज्यादा के कारोबार का अनुमान है। अंशदीप होंडा के संचालक सुरेन्द्र सिंह बग्गा गुड्डू के मुताबिक त्योहारी सीजन में दीपावली तक पांच हजार बाइक बिकने का अनुमान है।

## राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के नाटक 'सरबजीत' की शानदार प्रस्तुति

**शहर के रंगकर्मी रितेश सिंगाडे का शानदार निर्देशन**

राजनांदगांव (दावा)। रविवार को शाम 8:30 बजे पदमश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ में पंजाब की सत्य घटना पर आधारित नाटक सरबजीत का शानदार मंचन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर संजय अग्रवाल तथा विशेष अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग एवं त्रिलोक सिंह बग्गा राजनांदगांव एवं डॉ. थॉमस अब्राहम एम.डी. क्रिश्चियन फेलोशिप हॉस्पिटल उपस्थित थे।

नाटक सरबजीत की लेखिका उत्कर्षनी विशिष्ठा थी और निर्देशन शहर के युवा रंगकर्मी रितेश सिंगाडे ने किया था। नाटक सरबजीत स्व. दीपक विराट प्रसिद्ध रंगकर्मी व स्व. सैयद शोएब अली रंगकर्मी व लेखक राजनांदगांव के स्मृति में किया गया। नाटक में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क था। नाटक में लगभग शहर के 1000 लोगों ने इस नाटक का मंचन देखा और राजनांदगांव थियेटर ग्रुप को ऐसे नाटकों की प्रस्तुति के लिये बधाईयाँ दी।

राजनांदगांव शहर के इतिहास में यह पहली बार हुआ की पंजाबी और हिंदी के संवादों का मिश्रण नाटक सरबजीत में देखने मिला। नाटक सरबजीत आगामी दिनों में केरल, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और असम जैसे प्रदेशों में राजनांदगांव कला संस्कृति की छवि छोड़ेगा।

नाटक सरबजीत में पंजाब के तरणतारण जिले के गांव भिखीविंड के एक मध्यम वर्गीय युवा किसान की कहानी है जिसमें वह पाक सीमा के पास अपने दोस्त के साथ शराब पीता है और ज्यादा नशा होने पर वह गलती से पाकिस्तान सीमा में घुस जाता है और यहां से शुरू होती है अमानवीयता और भयावह दर्द की कहानी है साथ ही एक कैदी के रूप बंद बेकसूर सरबजीत के 20 साल तक अपने परिवार से बिछडकर अकेले एक छोटे से कमरे में मानसिक और शारीरिक यातनाओं और भावनाओं के द्वंद को दिखाया गया। जिसे जीवंत रूप दिया रिषभ सिन्हा ने जिसे दर्शकों ने खुब सराहा।

नाटक सरबजीत में सरबजीत की बहन दलबीरे जो कि अपने भाई के लिये सरकार और दोनों देशों के राजनितिक षडयंत्र का शिकार होती है और अंत तक अपने भाई के लिये लड़ती है। दलबीरे के अभिनय ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लुटी जिसे ज्योति वांडे ने निभाया।

नाटक सरबजीत में सरबजीत के पिता की भुमिका विनोद गौतम तथा सरबजीत की पत्नी की भुमिका रीना श्रीवास ने अदा कि जो कि काबिले तारिफ थी साथ ही इस नाटक में अमोद श्रीवास्तव, सुरेन्द्र चंद्राकर, प्रभा लकरा, कन्हैया, रूपेश साहू, भारत सोनी, बम्हभटट्, भुपेश सिंह, फहीम, शेखर, गुरूमीत सिंह भाटिया, मास्टर रक्षित सिंगाडे व बेबी अवनी, मुस्कान व अदिती वांडे ने अपने अभिनय से दर्शकों को बांधे रखा। नाटक की अवधि 1:30 घंटा की थी साथ ही इस नाटक में कुछ 18 पात्र थे जो विभिन्न किरदारों में दर्शकों को नजर आये। नाटक में लाईट व्यवस्था अनिकेत के द्वारा की गई थी और मंच संचालन रौशन साहू द्वारा किया गया। नाटक में संगीत शुभम बाउदे ने दिया था और मंच सज्जा फहीम एवं रूप सज्जा प्रभा लकरा के द्वारा किया गया था।

## आयुक्त आज अल सुबह पहुँचे मोहारा, बस्ती में पेयजल सप्लाई के समय पानी नहीं आने वाले क्षेत्र का किया निरीक्षण

**जल संयंत्रगृह मोहारा का जायजा लेकर मोटर पंप दुरूस्त रखने एवं एलम व अन्य समाग्री का पर्याप्त भंडारण के दिये निर्देश**

राजनांदगांव (दावा)। प्रातः कालीन सफाई एवं निर्माण कार्य निरीक्षण की कडी में नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता आज अल सुबह अधिकारियों के साथ पेयजल सप्लाई के समय मोहारा बस्ती का निरीक्षण कर कम पानी आने वाले क्षेत्र में नागरिकों से रूबरू हो समाधान करने का आश्वासन दिये।

सबसे पहले आयुक्त श्री गुप्ता मोहारा बस्ती के कुछ क्षेत्रों में पानी नहीं आने की शिकायत पर पेयजल सप्लाई के समय अधिकारियों के साथ सुबह पहुचे और लोगों से रूबरू हो पानी आने की जानकारी लिये। लोगों ने बताया कि हमारे क्षेत्र में पानी की बहुत दिनों से समस्या है, कुछ घरों में थोडा पानी आता है और कुछ घरों पानी आता ही नही। आयुक्त ने पार्षद प्रतिनिधि अवधेश प्रजापति से भी चर्चा किये, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि चढ़ाव क्षेत्र में पानी की समस्या ज्यादा है, इसका निराकरण करने वाल्व की सेटिंग देखे, टंकी पूरी भरने के पश्चात सप्लाई करे, अच्छे से निरीक्षण कर, प्लान कर समाधान करे। आयुक्त श्री गुप्ता जल संयंत्रगृह मोहारा निरीक्षक के दौरान कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी लिये, प्लांट के प्रभारी ने तीन सिप्ट में कार्य होने एवं प्रत्येक कर्मचारियों द्वारा करने वाले कार्यो की जानकारी दी।

आयुक्त ने कहा कि एलम, ब्लीचिंग तथा क्लोरिन गैस व अन्य आवश्यक सामग्री का पर्याप्त भंडारण रखे, मशीन आदि को दुरूस्त रखे, सभी पंप चालू रखे, वोल्टेज समस्या के कारण पंप नही चल पा रहा है उसके लिये विद्युत ऐसीपी लगावे, जिससे सभी पंप चल सके। आयुक्त ने मोहारा मेला स्थल का जायजा लेकर ठेकेदार से काम में तेजी लाने निर्देशित करने कार्यपालन अभियंता यू.के.रामटेके से कहा। मोहारा मेला के पूर्व मंच का निर्माण पूर्ण करने तथा मेला पहुच मार्ग को दुरूस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने सफाई निरीक्षण के दौरान वार्ड में नियमित साफ सफाई के अलावा डिवाईडर के किनारे सफाई कर कचरा उठवाने स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा को निर्देशित किये। उन्होंने मोहारा एसएलआरएम सेन्टर में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्र. सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्रीमती ज्योति साहू, अनुप पाण्डे, डाकेश्वर कर्ष व युवराज कोमरे, जिला समन्वयक एसबीएम देवेश साहू, सह उद्यान प्रभारी दिलीप गिरी उपस्थित थे।

## समाजसेवी सुशील जैन को चौथी बार रेडक्रॉस सह सचिव नियुक्त

**मूकबधिर जानवरों की सेवा हेतु राज्यपाल पुरस्कार 2020 में प्राप्त**

राजनांदगांव (दावा)। नगर के समाज सेवी सुशील जैन (छाजेड़)को चौथी बार रेडक्रॉस का सह सचिव बनाया गया है। वे विगत बीस सालों से सह सचिव पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वर्ष 2024 में फिर से उन्हें कलेक्टर एवं रेडक्रास समिति के पदेन अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने चौथी बार सहसचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने मूक बधिर जानवरों को कोविड के समय दादा बाड़ी से रोटियाँ व चारा की व्यवस्था की थी जिसके लिए राज्यपाल द्वारा 17 दिसंबर 2020 को उन्हें राज्यपाल पुरस्कार का जिला स्तर का अवार्ड रायपुर में प्रदान किया गया था। वे रेडक्रास की गतिविधियों में हमेशा आगे रहते हैं। साथ ही शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहकर सैव सेवा कार्य में लगे रहते हैं। सुशील जैन के मनोनयन से रेडक्रास के सभी सदस्यों के अलावा उनके इष्ट मित्रों ने बधाई दी हैं।

## समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के संबंध में बैठक सह प्रशिक्षण 26 अक्टूबर को

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 26 अक्टूबर को सुबह 10 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ राजनांदगांव में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के संबंध में बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। बैठक में कृषि विभाग, राजस्व विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

## यास्मीन और नीलिमा का चयन विश्वविद्यालयीन फुटबॉल स्पर्धा में

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी नगरी के शॉकर ट्रेनिंग स्कूल में कोच तरविंदर सिंह रंधावा और किशोर माहेश्वरी से नियमित तौर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं दो प्रतिभावान महिला खिलाड़ी यास्मीन साहू और नीलिमा भीमटे का चयन विश्वविद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता के लिये हुआ है।

दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन के माध्यम से संस्कारधानी नगरी को गौरवान्वित किया है। दोनों ही खिलाड़ियों का चयन बीते 19 अक्टूबर को दुर्ग जिले के विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित ट्रायल में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। बता दें कि यास्मीन और नीलिमा वर्तमान में दुर्ग जिले में चल रहे विशेष अभ्यास सत्र में पसीना बहा रही हैं।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों की टीम आगामी 26 अक्टूबर को विश्वविद्यालयीन स्पर्धा में भाग लेने मणिपुर के लिये रवाना होगी। प्रशिक्षकों ने बताया कि, दोनों ही बहुत ही मेहनती और होनहार खिलाड़ी है। दोनों ही महिला खिलाडियों नें कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनके निरंतर परिश्रम, अथक प्रयास और उसकी लगन ने ही उसे इस मुकाम पर पहुँचाया है। दोनों ही खिलाडियों की इस उपलब्धि पर शॉकर ट्रेनिंग स्कूल के प्रशिक्षक और साथी खिलाड़ियों ने उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की है।

## जिले व शहर के स्थानीय दुकानदारों से खरीदी करने की अपील - नीरज कन्नौजे

राजनांदगांव (दावा)। शहर कांग्रेस दक्षिण मंडल के महामंत्री व कांग्रेस के युवा नेता नीरज कन्नौजे ने कहा कि दिवाली सीजन में एक-एक शहर जिले में अरबो की खरीदी बिक्री हो रही है।

**कहा - डिजिटल इंडिया के माध्यम से भाजपा बाहर वालों को फायदा पहुंचा रही है**

उसमें ऑनलाइन खरीदी के नाम से बाहर वालों को फायदा पहुंचाने की सोची समझी रणनीति चल रही है। श्री कन्नौजे ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वह ऑनलाइन खरीदी के झांसी में बिल्कुल भी नहीं आए। क्योंकि ऑनलाइन खरीदी से माल डुप्लीकेट भी मिल सकता है और अच्छा भी मिला तो किसी भी तरह की शिकायत आने पर ना सुधरवा सकते हैं और ना ही बदली करवा सकते हैं। इसलिए लोकल व्यापारियों से खरीदी करके अपने शहर जिले के व्यापार व्यवसाय को प्रोत्साहन दें। ऐसा करने से रोजगार के नए-नए अवसर स्थानीय नागरिकों एवं ग्रामीणों को भी मिलेगा। ऑनलाइन खरीदी में पैसा टोटल बाहर जा रहा है और लोकल व्यापारियों को दिवाली जैसे सबसे प्रमुख त्यौहार में मायूस होना पड़ रहा है।

श्री कन्नौजे ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए आगे कहा कि डिजिटल इंडिया के बहाने लोकल व्यापारियों को अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाने का काम कर रही है। इसे आम जनता को समझना होगा। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में स्थानीय व्यापार व्यवसाय को बढ़ावा दिया था। लोकल उद्यमियों को बढ़ावा देने रीवा और युपा जैसी योजना शुरू की थी। उल्लेखनीय है कि दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नीरज कन्नौजे आम आदमी से जुड़ी समस्याओं पर बारीकी विश्लेषण करके सार्वजनिक करते रहे हैं। उनके इस तरीके को व्यापक जन समर्थन भी मिलता रहा है। ऑनलाइन खरीदी से ग्राहक का पैसा विदेशों को भी जा रहा है।

# रबी सीजन में धान के बदले कम पानी की आवश्यकता वाले फसलों को दें बढ़ावा - कलेक्टर

**मक्का, दलहन, तिलहन, कोदो, रागी जैसे कम पानी की जरूरत वाले फसलों को लेने के लिए किसानों को करें प्रेरित**

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में मिशन जल रक्षा अंतर्गत जिला पंचायत के सभाकक्ष में कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, औद्योगित संस्थाओं के प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन, उन्नतशील एवं समृद्ध किसान, महिला समूह, संकुल संगठनों की बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि गंभीर चिंता का विषय है कि जिले में भू-जल स्त्रोत का स्तर लगातार नीचे चला जा रहा है। यदि अभी हमने जल का संरक्षण नहीं किया और सजग नहीं हुए तो आने वाले समय में जल संकट की स्थिति बन सकती है। पहले पिछले 10 वर्ष में 100 से 150 फीट में बोर कराने से पानी आ जाता था, लेकिन भू-जल स्तर अब इतना कम हो गया है कि 400-600 फीट नीचे चला गया है।

ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण भीषण गर्मी बढ़ी है। वहीं पानी का अत्यधिक दोहन होने के कारण भी जल संकट की स्थिति बन रही है। जिले में मिशन जल रक्षा के तहत जल संरक्षण के साथ ही पौधरोपण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा यह कर्तव्य है कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए अपना योगदान देते हुए समाज के प्रति दायित्व निभाएं। किसानों को रबी सीजन में धान के बदले कम पानी की आवश्यकता वाले फसलों को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने सभी कृषि अधिकारियों से कहा कि किसानों को रबी सीजन अंतर्गत उद्यानिकी फसलें दलहन, तिलहन एवं कम पानी की आवश्यकता वाले फसल लगाने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए सोच बदलने की जरूरत है तथा छोटे किसानों को क्लस्टर में सामूहिक खेती करने के लिए तथा उद्यानिकी फसलों एवं दलहन व तिलहन के फसलों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करें।

**42 हजार पंप के माध्यम से सिंचाई करने पर भू-जल स्तर में आई गिरावट**

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बताया कि पिछले वर्ष रबी मौसम में अधिक मात्रा में धान की खेती के लिए 42 हजार पंप के माध्यम से सिंचाई करने से भू-जल स्तर 18 मीटर नीचे चला गया है। आने वाले समय में जल संकट की स्थिति की संभावना है। कलेक्टर ने इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को धान के स्थान पर कम पानी उपयोग वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी है। उन्होंने किसानों को ऐसी फसल लेने के लिए प्रेरित करने कहा जिसमें कम पानी का उपयोग हो और उत्पादन लागत कम लगे और अधिक उत्पादन हो सकें। उन्होंने बताया कि धान की अपेक्षा दलहन, तिलहन, मक्का जैसी फसलों में एक तिहाई या एक चौथाई पानी का उपयोग होता है। धान की फसल में 1500 लीटर से अधिक पानी की जरूरत होती है। जबकि मक्का, कोदो, रागी एवं अन्य फसलों में एक तिहाई से कम पानी की आवश्यकता होती है। जल संकट एक गंभीर विषय है और इस पर विचार करते हुए हमें योजनाबद्ध तरीके से समाज एवं लोगों की बेहतरी के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि अभी उपयुक्त समय है किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्रदान करें। धान की फसल में उत्पादन लागत अधिक लगता है और आय कम होती है। इसी जगह मक्का या उद्यानिकी जैसी फसल लगाने से उत्पादन लागत कम लगता है और आय अधिक होती है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ग्राम पटेवा के किसानों द्वारा खरीफ मौसम में 150 एकड़ में मक्के की फसल लेने वाले किसानों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बारिश के समय में मक्के की खेती करना बहुत अच्छी सोच है। उन्होंने कहा कि मक्के की खेती में निंदाई, रासायनिक खाद एवं उर्वरकों की जरूरत नहीं होती है। यह कम पानी के उपयोग से अच्छी पैदावार होती है। कलेक्टर ने ग्राम केसला में किसानों द्वारा बड़े रकबे में सरसो की खेती करने पर सराहना की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने किसानों को समूह में खेती करने के लिए प्रेरित करने कहा। जिससे फसल की देखरेख आसानी से कर सके। जिले के उन्नत किसानों द्वारा धान फसल नहीं लेते हैं इसकी जगह अन्य फसलों का उत्पादन करते हैं। जिससे उत्पादन लागत कम लगती है और उत्पादन क्षमता बढ़ती है। उन्होंने किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाली मक्का एवं अन्य दलहन-तिलहन फसलों के बीज उपलब्ध कराने कहा। जिससे किसानों को अच्छी पैदावार मिल सके और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं होना चाहिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने उपस्थित सभी लोगों को पानी बचाने और उसके विवेकपूर्ण उपयोग की शपथ दिलाई।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए लगातार जल संवर्धन के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं। जिले में लगातार भू-जल स्तर नीचे जाने से यह चिंता का विषय है। इससे पेयजल की समस्या आ सकती है। इसे रोकने का प्रयास करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि रबी मौसम में धान की जगह कम पानी उपयोग वाली अन्य फसल लेने के लिए किसानों को मिशन मोड में जागरूक करना है। उन्होंने धान की अपेक्षा मक्का फसल एवं अन्य फसलों में अधिक उत्पादन और आय के संबंध में जानकारी देने कहा। उन्होंने सभी ग्राम संगठनों, संकुल संगठनों एवं महिला समूहों को ग्राम के किसानों को जागरूक करने कहा। बैठक में उन्नतशील एवं समृद्ध किसानों ने कहा कि समृद्ध किसान बनने के लिए धान की खेती को छोड़कर अन्य फसल का उत्पादन करना होगा। उन्होंने कहा कि धान फसल में अधिक देखरेख और लागत लगती है, जबकि मक्का एवं अन्य उद्यानिकी, दलहन-तिलहन फसलों में लागत कम लगती है और मुनाफा अधिक होता है। बैठक में उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पाण्डेय, सहायक संचालक उद्यानिकी राजेश शर्मा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, औद्योगित संस्थाओं के प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन, उन्नतशील एवं समृद्ध किसान, महिला समूह, संकुल संगठनों तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## अनमोल दावा

*जीवन में कुछ भी अच्छा करने के लिए आपको किसी डिग्री की आवश्यकता नहीं है बस आपके मन में एक अच्छी भावना की जरूरत है।*

## चीन से सावधान रहने में ही समझदारी, लक्ष्यों के पूरा होते ही अपने पुराने ढर्रे पर उतर आता पड़ोसी देश

भारत को यह ध्यान में रखना चाहिए कि चार सदियों के भारी तकलीफदेह अनुभव के बाद चीन अब हिमालयी क्षेत्र में और विशेष रूप से लद्दाख में अपनी रणनीति बदल रहा है। नई रणनीति के तहत चीन यहां अपनी गतिविधियां थलसेना के बजाय वायुसेना केंद्रित करने में व्यस्त है। पिछले चार साल में उसने तिब्बत और शिनजियांग में नए हवाई अड्डे और मिसाइलें तैनात कर ली हैं।

लद्दाख में सीमा विवाद के कारण भारत और चीन के बीच पिछले चार साल से चल रहे सैन्य तनाव की समाप्ति हो रही है। सोमवार को भारतीय पक्ष और मंगलवार को चीनी पक्ष के बयानों से पता चलता है कि लद्दाख के देपसांग और डेमचोक की स्थिति को लेकर अनसुलझे विवाद पर भी भारत और चीन के बीच सहमति हो गई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी संकेत दिया कि इन दोनों क्षेत्रों में भी दोनों पक्ष अपनी-अपनी सेनाओं को अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति पर ले जाने और चीन के नियंत्रण वाले विवादास्पद इलाकों में भारतीय सेना की गश्त पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले कुछ दिनों में इन क्षेत्रों से चीनी सेना की वापसी का काम पूरा हो जाएगा। असल में यह विवाद जून 2020 में गलवन में चीनी सैनिकों द्वारा आपसी सहमति के नियमों को तोड़कर निहत्थे भारतीय सैनिकों पर धोखेबाजी से किए गए हमले से शुरू हुआ था। अचानक हुए इस शर्मनाक चीनी हमले में भारत के 20 जवान बलिदान हो गए थे। हालांकि, भारतीय सेना की त्वरित एवं दमदार जवाबी कार्रवाई में इससे कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में चीनी सैनिक भी मारे गए थे, लेकिन चीन की सेना और न ही सरकार ने आज तक अपने मृतक सैनिकों की संख्या सार्वजनिक नहीं की।

गलवन में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों ने जितने बड़े पैमाने पर पूरे लद्दाख में सेनाओं और युद्ध सामग्री की तैनाती की, उसने किसी बड़े युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया था। युद्ध के इस खतरे को टालने के लिए पिछले चार वर्षों में दोनों पक्षों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, कूटनीतिज्ञों और विदेश मंत्री तक के स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा था। कुछ क्षेत्रों में सहमति भी बन चुकी थी, लेकिन देपसांग और डेमचोक पर चीन के अड़ियल रवैये के कारण कोई ठोस हल नहीं निकल पा रहा था। यह सही है कि बीते दो दिन की घोषणाओं ने एशिया की दो बड़ी शक्तियों में बढ़ रहे तनाव और विवाद के ठंडा होने की उम्मीदें बढ़ाई हैं, लेकिन आपसी संधियों और सहमतियों के प्रति चीन के पुराने इतिहास को देखते हुए भारत में विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि चीन से बनी सहमति का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सतर्कता में कोई ढील न दी जाए। यह चेतावनी इसलिए भी अर्थवान है कि चीन सरकार कई बार कुछ तात्कालिक लक्ष्यों को पाने के लिए कुछ बड़े विवादों पर अपनी सहमति तो जता देती है, लेकिन उन लक्ष्यों के पूरा होते ही वह अपने पुराने ढर्रे पर उतर आती है। सीमा पर निगरानी को लेकर सहमति बन जाने संबंधी घोषणा को शंका की दृष्टि से देखने का एक कारण यह भी है कि इस सप्ताह चीन सरकार की नजर रूस में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता और उसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सीधी बातचीत पर भी है।

भारत और चीन के बीच बनी मौजूदा सहमति के कुछ ऐसे अर्थ भी हैं, जो दोनों देशों के रिश्तों में कुछ नए समीकरणों और नए नियमों को रेखांकित करते हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह पहला मौका रहा, जब चीन सरकार को नई दिल्ली में एक नई तरह की सरकार के साथ दो-चार होना पड़ा। छह दशकों की इस अवधि के पहले पांच दशकों में चीन को नई दिल्ली में दब्बू सरकारों और कमजोर नेताओं पर बंदर घुड़कियां चलाने की आदत पड़ चुकी थी। कूटनीति की मेज पर अर्थहीन वार्ताओं में विरोधी को उलझाए रखकर उसे थका देने और अपनी मर्जी के समझौतों पर उससे अंगूठा लगाने पर मजबूर कर देने की उसकी पुरानी चाल को नई दिल्ली ने इस बार नाकाम कर दिया। बार-बार भारतीय सीमाओं से छेड़छाड़ की अभ्यस्त हो चुकी बीजिंग की मौजूदा सरकार को यह देखकर बहुत सदमा लगा कि भारत सरकार और उसकी सेना उसकी बंदर घुड़कियों से डरने के बजाय छाती ठोंककर उसकी हेकड़ी का जवाब दे रही है।

2017 में डोकलाम में भारतीय सेना ने चीन की पीपुल्स रिपब्लिक आर्मी को 72 दिन तक रोके रखने के बाद जिस तरह वापस लौटने पर मजबूर कर दिया था, वह राष्ट्रपति शी चिनफिंग, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और चीनी सेना के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। गलवन के जवाबी हमले और उसके बाद जिस तरह भारत की स्पेशल फ्रंटियर फोर्स ने चीनी सेना पर पूरी आक्रामकता के साथ कैलास चोटियों पर तोपें तान दीं और चीनी कमांडरों को वार्ता की मेज पर आने को मजबूर कर दिया, वह बीजिंग के आकाओं के लिए एक नए भारत से परिचय था। आज के भारत ने यह भी दिखाया कि वह चीन को द्विपक्षीय समझौतों से मुकरने की सुविधा देने के लिए तैयार नहीं। चूंकि चीन इसमें माहिर है इसलिए वह भरोसेमंद नहीं। बीते चार साल के टकराव के दौरान भारत सरकार ने चीन को यह भी समझा दिया कि जब तक चीन लद्दाख में अपना आक्रामक रवैया नहीं छोड़ता, तब तक उसके साथ बाकी क्षेत्रों में सामान्य रिश्ते नहीं बनाए जा सकते।

भारत को यह ध्यान में रखना चाहिए कि चार सदियों के भारी तकलीफदेह अनुभव के बाद चीन अब हिमालयी क्षेत्र में और विशेष रूप से लद्दाख में अपनी रणनीति बदल रहा है। नई रणनीति के तहत चीन यहां अपनी गतिविधियां थलसेना के बजाय वायुसेना केंद्रित करने में व्यस्त है।

# जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

- ललित गर्ग -

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पडने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआई बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआई 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बडा संकट खडा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बडा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।

प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए, लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूडा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लडना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुडे इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है।

तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही 'गंभीर' एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुडे आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बडा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुडा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उडनेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकडे के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया।

इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पडेगा, जो जडों में मठ्ठा डाल सके। नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है।

अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है।

हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

**ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपडगंज, दिल्ली-92**

## विचार सरिता

# मन में बसे हैं राम - 296 : अयोध्या में अपार जनसमूह के मध्य धीमी गति से बढ़ता श्री राम का रथ

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

राजभवन में महाराज दशरथ घोर पीड़ा में हैं। अचानक वे चौक पड़ते हैं और पुकारते हैं,

सेनापति शौर्यसेन!

''नगर के सारे द्वार अवरुद्ध कर दो और इन्हें सदा के लिए बंद कर दोज. अयोध्या नगरी से अब कभी कोई बाहर नहीं जाएगाज्यह नगरी स्वयं में पूर्ण है.. राम भी बाहर नहीं जा पाएगा.। मेरे आदेश का तुरंत पालन हो.''

''राजभवन में दशरथ जागे,
पीड़ा से व्याकुल हुई पुकार,
''शौर्यसेन! नगर द्वार करो बंद
अब सदा के लिए तैयार।
कोई नहीं जाएगा बाहर,
यह नगरी संपूर्ण हमारी,
राम भी नहीं छोड़ सकेगा,
अयोध्या नगरी यह न्यारी।''

मूर्छित महाराज दशरथ को महारानी कौशल्या और रानी सुमित्रा संभालती हैं।

''जिस घटना ने अयोध्या के हर मनुष्य को पीड़ा दी है, उसने महाराज को सर्वाधिक आघात पहुंचाया है सुमित्रा!'' महारानी कौशल्या ने रानी सुमित्रा से कहा।

''सत्य कहा दीदी! यह आघात उनके जीवन का सबसे बड़ा आघात है। श्री हरि विष्णु हमारे महाराज को इस विषम स्थिति से निकलने में सहायता प्रदान करें।'' रानी सुमित्रा ने कहा।

रानी कैकेई महाराज दशरथ के पास पहुंचने को उद्यत हुई, लेकिन महारानी कौशल्या ने हाथ के संकेत से उन्हें अपने स्थान पर ही रहने को कहा।

महाराज दशरथ की पीड़ा का कारण रानी कैकेई द्वारा रखी गई दो मांगें ही हैं और उनके परिणामस्वरूप आज अयोध्या में यह स्थिति निर्मित हुई। रानी कैकेई की उपस्थित उन्हें और अधिक पीड़ा दे सकती थी। महाराज दशरथ का या तो अपने निज कक्ष में या महारानी कौशल्या या रानी सुमित्रा के कक्ष में पहुंचना उनके स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से आवश्यक है।

अयोध्या में जन समुद्र के कारण श्री राम का रथ धीरे-धीरे चल रहा है और अब तो मार्ग का भेद मिट गया है कि कौन सा मुख्य मार्ग है और कौन से उनसे जुड़े हुए अन्य मार्ग हैं। क्या प्रजा का प्रेम श्री राम को अयोध्या की गलियों और सड़कों में ही इसी तरह विचरण करते रहने को विवश कर देगा?

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा संस्कृत साहित्य में आदि कवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री राम के जीवन के विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

## जन मंच — न्याय की देवी की बंद आंखे तो खुली, किन्तु ''न्याय'' का क्या?

न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन किया गया और फिर उसे स्थापित किया गया है। निःसंदेह, यह सराहनीय कार्य है। क्योंकि न्याय अंधा नहीं होना चाहिए। संविधान भी प्रभावकारी होकर चलते रहना चाहिए। न्याय बोलता हुआ दिखना चाहिए। न्याय हुआ है, ऐसा दिखाई भी देना चाहिए। ये सारी वास्तविकता स्पष्ट करती है कि पीड़ित को न्याय मिलने का संतोष होना चाहिए। सालों-साल चलने वाले मामलों में न्याय के ही शब्दों में उसे अन्याय कहा जाता है। न्याय की राह देखने वाले लाखों-लाखों मामले देश की विभिन्न अदालतों में पेंडिग हैं। आम गरीब आदमी अदालतों के चक्कर लगाकर हार जाता है। खून, बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में भी अमुक वर्षों तक ही सजा होती है। ऐसे अपराधियों को जमानत भी सरलता से मिल जाती है। ऐसी परिस्थिति में पीड़ित पक्ष अपने आप को ठगा-सा महसूस करता है। कहा जाता है, कानून के हाथ लम्बे हैं, किन्तु मजबूत नहीं हैं। जिसके कारण, न्यायदेवी का तराजू अपराधी के पक्ष में झुका रहता है। अनेक मरतबे दोषी ठहराए गए अन्य ऊपरी अदालतों में निर्दोष साबित होते हैं। यह बात ही आम जनता को हजम नहीं होती। शातिर अपराधियों को पुलिस व अधिकारियों का भय ही नही है। कानून का उल्लंघन आम बात है। देश में ऐसे अपराधियों को पुलिस व अधिकारियों को राजनैतिक संरक्षण मिला हुआ होता है। इस कारण, अपराधियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। बुलडोजर संस्कृति अनुचित होने के बावजुद आम जनता को स्वीकार्य है। इसे रोकने कानून में विश्वास, न्यायपालिका में भरोसा उत्पन्न करने और त्वरित न्याय पाने ठोस कदम भरे जाते हैं तो न्याय की देवी की मूर्ति में हुवे परिवर्तन की सार्थकता सिद्ध होगी।

**-एन.एल.भारद्वाज, मुंबई**

## सामयिक चर्चा

### शान्ति प्रिय मोदी जी पर चर्चा

खबर पढ़कर,
बानी बोले मुग्ध होकर,
''मालूम गजाधर।
हमारे शान्ति प्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी,
ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में भाग लेने,
रूस के कजान शहर पहुंचे,
और वहॉ से भी,
शान्ति का संदेश दिया यार!
कहा - ''भारत शान्ति बहाली के लिए तैयार।''
ब्रिक्स से इतर उन्होंने
रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की
और द्विपक्षीय वार्त्ता की।
रूस-यूक्रेन संघर्ष में
शान्ति और स्थिरता का समर्थन करते हुए
पीएम मोदी जी ने कहा कि
नयी दिल्ली इस क्षेत्र में
शान्ति और स्थिरता की शीघ्र वापसी का
पूरा समर्थन करती है।
गजाधर! अब इस पर
आपकी समझ क्या कहती है ?''
गजाधर मुस्कराए बोले -
''मेरी अपनी समझ तो
यही कहती है यार!
अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
होते जा रहे है
शान्ति नोबल पुरस्कार पाने के
हकदार।''

-गिरीश बख्शी

## कविता

### छटके धान के बाली हे

लहर-लहर लहरावत हावय
पिंवर छटके धान के बाली हे
रिगबिग-रिगबिग दिखे संगी
झूमरत हावय धान के बाली हे।
सदा-सुहागिन एहर लागय
पिंवर हरदी के रंग-रंगाए हे
लहराए हे अंचरा हर जईसे
धानी अंचरिया मन ल भाए हे।
सोला-सिंगारी जईसे लागय
नावा बहुरिया कस लागत हे
रंग सुनहरी चम-चम चमके
नवा-नवरिया कस लागत हे।
झम-झमझम छटके हे बाली
दमकत हावय खेती-खार हे
हरियर-हरियर लुगरा जईसे
सुग्घर दिखय जमो मेड़-पार हे।
ए भुईयां के अब भाग जागे
दाई अनपूर्णा लक्ष्मी आगे हे
ए भुईयां के रतन बेटा किसान
सेवा म नीत-नीत पईयां लागे हे।

अशोक पटेल ''आशु''
तुस्मा शिवरिनारायण(छ.ग.)
9827874578

## राशिफल

**मेष** — आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। जॉब कर रहे लोगों को आज दिए गए काम को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे आज एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

**वृषभ** — आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से लाभ बना रहेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा, इससे आपका उत्साह बढ़ेगा।

**मिथुन** — आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

**कर्क** — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। कोई खास रिश्तेदार आज आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे।

**सिंह** — आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशीप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

**कन्या** — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। आज यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

**तुला** — आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आपका काम अच्छे से पूरा होगा। रोजमर्रा की जिंदगी में आज कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं।

**वृश्चिक** — आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। करियर में भी आपको गुरुजन का मार्गदर्शन मिलने से आसानी होगी, आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

**धनु** — आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आपको लगता है कि आप दुनिया की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में कहीं खो गए हैं, तो अपने लिए वक्त निकालेंगे और अपने व्यक्तित्व का आकलन करेंगे। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे।

**मकर** — आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियां बढ़ेगी। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को लक्ष्य पाने के लिए शिक्षकों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा।

**कुंभ** — आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको कामों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका कोई खास काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जायेगा।

**मीन** — आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजास्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं। आज जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलने से आपको खुशी होगी।

# जनजाति समाज स्वाभिमानी और स्वावलम्बी समाज है - डॉ. राजेश पांडे

**जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत पर दिग्विजय महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन**

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के शहीद वीर नारायण सिंह ऑडिटोरियम में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजातीय समाज के ऐतिहासिक विरासत में, अद्भुत शौर्य और संघर्ष देखने को मिलता है। आदिवासी अपने स्वाभिमान और जमीन के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। आदिवासी समाज अपने अनुष्ठानों और लोकगीतों के माध्यम से हमेशा अपने जड़ों को मजबूत किया है एवं उनके जीवन मूल्यों और परंपराओं से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पांडे, अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ जनजाति बाहुल्य प्रांत है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समाज का गौरव दर्ज नहीं हो पाया है। जनजाति समाज स्वाभिमानी और स्वावलम्बी समाज है, आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है, वे भारत के मूल निवासी हैं। भारतीय स्वतंत्रता में जनजातीय समाज का गौरवशाली योगदान रहा है।

उन्होंने जनजाति समाज की माता शबरी तिलका मांझी, सिद्ध और कानों, भगवान बिरसा मुंडा जैसे जनजातीय वीरों के शौर्य का पुण्य स्मरण किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने जनजाति समाज के इतिहास संस्कृति, रहन-सहन, कृषि व्यवसाय, आचार - विचार, रहन- सहन,धार्मिक आस्था और पर्व आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि जनजातीय समाज ईश्वरीय शक्ति पर विश्वास करता हैं। आदिवासियों ने जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। श्रोतवक्ता प्रो. हिरेंद्र बहादुर ठाकुर ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जनजातियों का उल्लेख करते हुए परलकोट विद्रोह के नायक वीर गेंद सिंह के शौर्य और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह छत्तीसगढ़ की स्वाधीनता आंदोलन के प्रथम वीर शहीद हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी एन जागृत नें एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मीना प्रसाद ने किया। छात्र-छात्राओं द्वारा आदिवासी लोक नृत्य की प्रस्तुति नें सबका मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकारिता विभाग, एन.एस.एस, एन.सी.सी. और यूथ रेडक्रॉस के विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

# स्वामी आत्मानंद स्कूल में हुई परख सर्वे बैठक

डोंगरगांव (दावा)। पूरे देश के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में बच्चों को शिक्षित करने के लिए लगभग 60 स्कूल परीक्षा बोर्ड व्दारा किया जाता है और सभी बोर्ड अपने अलग-अलग स्कूल मूल्यांकन व अलग-अलग परीक्षा प्रणाली से चलते हैं। अब इसे सरकार समरूपता में ढालने का प्रयास कर रही है और इसके लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय और नेशनल असेसमेंट रेगुलेटर परख या समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण, परीक्षा मूल्यांकन व्दारा तैयारी कर रही है। इसके जरिए भारत में सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्ड परख की गाईडलाईंस के अनुसार आब्जेव करेंगें, इसी के अनुसार स्कूल में पढ़ाएंगे और मूल्यांकन करेंगें। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों में समानता आयेगी।

इसी की तैयारियों के चलते 23 अक्टूबर को डोंगरगांव के स्वामी आत्मानंद स्कूल में डीएमसी सतीस ब्यौहारे, एपीसी मनोज मरकाम, रफीक अंसारी, बीईओ आर.एल.पात्रे, एबीईओ रश्मि ठाकुर, जयन्त साहू, बीआरसी अरविंद रत्नाकर डोंगरगांव, डी.डी.साहू छुरिया की उपस्थिति में परख सर्वे बैठक सम्पन्न हुआ। इस दौरान विकासखण्ड डोंगरगांव व छुरिया के सभी संकुल समन्वयक व सभी शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे। श्री ब्यौहारे ने बताया कि परख कक्षा तीसरी, छठवीं व नौंवी के छात्रों की समझ की जांच हेतु दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में एक परीक्षा लिया जाएगा। एपीसी श्री मरकाम ने इसे विस्तार देते हुए बताया कि परख नए पाठ्यक्रम के तहत बदले हुए तरीके से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है या नहीं और इसका असर बच्चों पर पड़ा है। इसे लेकर बच्चों की जांच हेतु परख सर्वे कार्य किया जा रहा है, श्री मरकाम द्वारा परख का परिचय देते हुए बताया गया कि परख को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के भाग के रूप में लॉन्च किया गया है, जिसमें नए मूल्यांकन पैटर्न और नवीनतम शोध के बारे में स्कूल बोर्डों को सलाह देने और उनके बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिये एक मानक-निर्धारण निकाय की परिकल्पना की गई है। इसके बाद परख पर कैसे कार्य करना है और क्या-क्या करना है, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई।

## पहला कॉलम...

### मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत योजनाओं का लाभ लेने के लिए एनएफडीपी पर पंजीयन कराना अनिवार्य

राजनांदगांव (दावा)। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत मत्स्य पालक, मत्स्य पालन समूहों एवं मत्स्य समितियों को विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मत्स्य पालन डिजिटल प्लेटफार्म (एनएफडीपी) पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। सहायक संचालक मछली पालन ने बताया कि एनएफडीपी का मुख्य उद्देश्य सभी मत्स्य पालक, मत्स्य पालन समूहों एवं मत्स्य समितियों के लिए कार्य आधारित पहचान का डेटाबेस निर्माण के माध्यम से मत्स्य पालन क्षेत्र को औपचारिक रूप देना है। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत मत्स्य पालन अन्तर्गत संचालित सभी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने के लिए एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। मछली पालन, मत्स्याखेट एवं मछली बेचने के व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों का पंजीयन कॉमन सर्विस सेन्टर, च्वाईस सेन्टर के माध्यम से किया जाएगा। यदि परिवार के सभी सदस्य मछली पालन कार्य में संलग्न है, तो सभी का पंजीयन व्यक्तिगत रूप से किया जाएगा। पंजीयन के पश्चात मत्स्य विभाग से सत्यापन पश्चात शासन द्वारा हितग्राही को बैंक खाते के माध्यम से 80 रूपए प्राप्त होंगे तथा कॉमन सर्विस सेन्टर व च्वाईस सेन्टर को प्रत्येक एन्ट्री पर 18 रूपए कमीशन के रूप में प्राप्त होगा। पंजीयन के लिए मत्स्य कृषकों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा आधार लिंक मोबाईल नम्बर के साथ कॉमन सर्विस सेन्टर या च्वाईस सेन्टर से संपर्क करना होगा। पंजीयन हेतु आधार लिंक मोबाईल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी अनिवार्य होगा। पंजीयन पश्चात प्रारम्भ में अस्थायी प्रमाण पत्र प्राप्त होगा तथा कृषकों का मत्स्य विभाग से सत्यापन पश्चात स्थायी प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। सहायक संचालक मछली पालन ने जिले के सभी मत्स्य कृषकों से योजना का लाभ लेने हेतु अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने की अपील की है।

### ग्राम मुढ़ीपार में निर्माण कार्यो के लिए 3 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जिला पंचायत विकास निधि योजना अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मुढ़ीपार में विकास कार्यों के लिए 3 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें नवीन प्राथमिक शाला में आहाता निर्माण कार्य के लिए 2 लाख रूपए एवं प्राथमिक शाला में बच्चों के झूला के लिए 1 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

### समाज सेवक संघ ने खैरागढ़ में नये वस्त्र वितरित किये

राजनांदगांव (दावा)। समाज सेवक संघ की के.सी.जी. ब्रांच ने त्यौहार के अवसर पर संघ के संयोजक संजीव सिंघल एवं जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा के हाथों जरूरतमंद लोगों को 10 जोड़ी नये कुर्ते, पैजामा और जर्किन वितरित किये। ये वस्त्र वितरण हेतु विनायक मेडिकल स्टोर, राजनांदगांव के सौजन्य से प्राप्त हुए।

### चारभाठा में भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता 30 को

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम चारभांठा ठेलकाडीह में एक दिवसीय भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता का आयोजन 30 अक्टूबर को स्टार क्लब गौरी गणेश उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों के तत्वाधान में आयोजित होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सुरेश कुमार साहू ने बताया कि सामूहिक प्रवेश शुल्क 121 रुपये व एकल-युगल 101 रुपये रखा गया है। कार्यक्रम में अनेक आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। सामूहिक पुरस्कार प्रथम 4001, द्वितीय 2501 रु. और तृतीय 1501 रु. व चतुर्थ 701 रुपए प्रायोजित है। इसके अतिरिक्त, युगल पुरस्कार प्रथम 1501रु., द्वितीय 801 रु., तृतीय 501 रुपए, एकल पुरस्कार प्रथम 1001, द्वितीय 701 रु., तृतीय 501 रुपए तय की गई है। आयोजक समिति ने प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील प्रतिभागियों से की है। इस अवसर पर अध्यक्ष स्टार क्लब गौरी गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार साहू, संरक्षक कैलाश साहू सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी युवा पत्रकार संजू साहू ने दी है।

### ग्राम पंचायत खल्लारी में 25 को आयोजित

बालोद। जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खल्लारी में 25 क्टूबर 2024 को ायोजित जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर को परिहार्य कारणों से निरस्त किया गया है।

# शा. उच्च. माध्य. विद्यालय रमतोला के विद्यार्थियों को कराया गया मछली फार्म अछोली का शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव (दावा)। राज्य में कृषि के साथ मछली पालन को भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग माना जा रहा है। शासन द्वारा संचालित डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम अछोली में स्थित मछली फार्म इस दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रमतोला के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की टीम द्वारा अछोली में स्थित मछली फार्म का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देना और मछली पालन को एक संभावित उद्यम के रूप में समझने के लिए प्रेरित करना है। फार्म में रोहू, कतला और मृगल जैसी प्रमुख प्रजातियों के मत्स्य बीज का उत्पादन किया जाता है। छात्रों ने विभिन्न मत्स्य प्रजातियों के जीवनचक्र और उनकी पर्यावरणीय आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को तालाब तैयार करने, जल की गुणवत्ता बनाए रखने और मछलियों को पोषण प्रदान करने की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। मछली पालन के व्यावसायिक पहलुओं पर चर्चा की गई। जिसमें फार्म की उत्पादन लागत, सरकारी अनुदान और मछलियों की बाजार में बढ़ती मांग के बारे में बताया गया। छात्रों को यह भी समझाया गया कि मछली पालन छोटे किसानों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सकता है। विद्यार्थियों ने मछली पालन की संभावनाओं को समझते हुए गहरी रूचि दिखाई। मत्स्य अधिकारी ने विद्यार्थियों को बताया कि शासन द्वारा मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजना का संचालन किया जा रहा है। अनुदान, तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरणों की सुविधा से मछली पालन अब पहले से आसान और लाभदायक हो गया है।

# जामा मस्जिद कमेटी का हुआ गठन

डोंगरगांव (दावा)। मुस्लिम जामा मस्जिद डोंगरगांव के गत दिवस नई कमेटी का गठन किया गया जिसमें मोहम्मद रफीक खत्री को निर्विरोध सर्वसम्मति से कमेटी का सदर बनाया गया, नियमानुसार नवनिर्वाचित सदर ने अपने पदाधिकारियों का गठन किया, जिसमें सेकेट्री पद पर डॉ. बशीर अहमद का चयन किया गया है। खजांची पद के लिए शमीम अंसारी का चयन किया गया है, वहीं शहरे खमोशा के सदर पद के लिए इकबाल तंवर चयनित हुए हैं। इसके साथ ही आठ मेंबर का चयन किया गया है, जिसमें महमूद हसन(खान सर), नजीर तंवर, युनुस सिद्दीकी, इरफान बडगुजर, रियाजुद्दीन सोलंकी, फिरोज हसन रिजवी, पीर मोहम्मद कुरैशी, शमशुद्दीन अंसारी शामिल किये गए हैं। कमेटी बॉडी गठन होने के साथ ही सदर व सेकेट्री ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को फूलों का हार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और सभी ने एक दूसरे को बधाई देते हुए कहा हम सब कांधे से कांधा मिलाकर एक जुटता से समाज और गांव की सेवा में सहयोग प्रदान करेंगे।

# भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यशाला आयोजित

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड के ग्राम के पंचायत मुसराकला में आवास मेला कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम भी किया गया जिसमें फाइनल लिटरेसी क्रेडिट काउंसलर लीड बैंक के प्रतिनिधि गंगा प्रसाद, काउंसलर आशा कोसे, कोऑर्डिनेटर ज्योति मेश्राम द्वारा जनपद सीईओ दिव्या ठाकुर, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक मैनेजर मुसराकला माखनलाल चंद्रवंशी, सरपंच कमल निर्मलकर, सचिव मोहित साहू भी उपस्थित थे। महिलाओं एवं ग्रामीणों को साइबर जागरूकता, डिजिटल लेन देन, बीमा ,बीमा क्लेम, फ्रा ड से बचने हेतु 1930 नंबर या ऑनलाइन अप्लाई के लिए cms.org.in पर व अधिक जानकारी के लिए 14448 नंबर में जानकारी ले सकते है।

# मराठवाडा चुनाव के लिए प्रदेश संगठन महामंत्री ने लिया बैठक

डोंगरगढ़(दावा)। महाराष्ट्र चुनाव के मराठवाडा मे छत्तीसगढ़ के संगठन महामंत्री पवन साय आंध्रप्रदेश के संगठन महामंत्री मधुकर और राज्य सभा सांसद भागवत कराड ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से आये प्रवासी कार्यकर्ताओं की चुनावी बैठक औरंगाबाद मे लिए इस बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री और मराठावाडा संभाग के प्रवासी समन्वयक रामजी भारती उपस्थित थे। चुनावी दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण बैठक रही इस बैठक में मराठावाडा संभाग के चुनावी गतिविधि की बारीकी से चर्चा हुई।

महाराष्ट्र और देश के सम्मान के लिए महाराष्ट्र चुनाव जितना अनिवार्य है साथ ही साथ महाराष्ट्र सरकार की लाड़की बहिन योजना और मोदी जी की गांव गरीब की विभिन्न कल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त अनाज योजना का प्रचार प्रसार निचले स्तर पर हो इस बात को संघटन महामंत्री पवन साय ने प्रमुखता से रखा। मधुकर द्वारा सभी प्रवासी कार्यकर्ताओ को मार्गदर्शन दिया।

इस बैठक मे राज्यसभा सांसद डॉ. भागवत कराड द्वारा मराठावाडा संभाग की चुनावी स्तिथि से सभी प्रवासी कार्यकर्ताओं को अवगत करवाया गया। बैठक की प्रस्तावना प्रदेश भाजपा महामंत्री रामजी भारती द्वारा रखा गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, संजय ढीढी, अवधेश चंदेल, नन्दे साहू, श्रीमती रंजना साहू, अम्बेस जांगड़े, वीरेन्द साहू, विनोद खांडेकर, सुरेंद्र पाटनी, विक्रांत सिंह, महेंद्र वैष्णव, रामकुमार भट्ट, घांसी साहू, गोपाल बिष्ट, निरंजन सिन्हा, सोमेश पांडे, गौतम गोलछा, नालिनेश ठोकने, आँशु चंद्रवंशी और पी विजय कुमार ने अपने-अपने प्रभार विधानसभा की चुनावी गतिविधि को विस्तार पूर्वक बताया।

# अतिथि व्याख्यान एवं ग्रंथपाल जे.के. वैष्णव का सम्मान

खैरागढ़ (दावा)। रानी रश्मिदेवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ वाणिज्य स्नातकोत्तर विभाग में प्रो. निरुपा वैष्णव छुईखदान कॉलेज का अतिथि व्याख्यान एवं ग्रंथपाल जे.के.वैष्णव का सम्मान कार्यक्रम 23 अक्टूबर बुधवार को संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर अतिथियों के स्वागत पश्चात व्याख्यान प्रारंभ हुआ। मुख्य वक्ता प्रो. निरुपा वैष्णव ने आयकर विषय पर व्याख्यान देते हुए आयकर के विभिन्न प्रावधानों को विस्तार से जानकारी देते हुए आयकर के अनेक प्रकारों को गहनता से समझाया। वार्षिक आय में वेतन भोगी एवं अन्य के आयकर के छुट के बारे में विस्तार से जानकारी ब्लैक बोर्ड माध्यम से दी। प्रो. मोनिका जत्ती ने वार्षिक आय से आयकर कटौती को व्यक्तियों का स्वयं का उत्तरदायित्व बताया।

अतिथि व्याख्यान पश्चात उपस्थित अतिथियों ने अक्टूबर 2024 में सेवानिवृत्त होने पर वरिष्ठ ग्रंथपाल जे के वैष्णव को बैच लगाकर, पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ ग्रंथपाल जे.के.वैष्णव ने शहडोल जिले से स्थानांतरण पश्चात खैरागढ़ कालेज के अपने 34 वर्षों पुराने यादें साझा करते हुए कालेज के पूर्व एवं वर्तमान के प्राचार्य, प्रोफेसर स्टाफ एवं कार्यालयीन स्टाफ, अनुशासित छात्र छात्राओं के सहयोग के साथ आज के सम्मान पर आभार प्रकट किया। वाणिज्य परिषद के गठन शपथ में छात्र अध्यक्ष नवनीत, उपाध्यक्ष अखिल नामदेव, सचिव संध्या साहु, मुकेश्वरी, नेहा नामदेव, दीपिका, स्वेता गीता को प्रो.आडवानी ने शपथ दिलाया। इस अवसर पर प्रो. सुरेश आडवानी, प्रो. आर एल देवांगन कन्या महाविद्यालय खैरागढ़, प्रो.यशपाल जंघेल, हिरेन्द्र ठाकुर सहित शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन अतिथि व्याख्याता शबाना खान एवं आभार प्रदर्शन प्रो.मोनिका जत्ती ने किया।

# शास.उच्च.माध्य.शाला खुज्जी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

खुज्जी (दावा)। दिनांक 19 अक्टूबर 24 को शास.उच्च.माध्य. शाला खुज्जी में जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत राजनांदगांव के संयुक्त टीम के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जनपद पंचायत डोंगरगांव से सी ई ओ विनय कुमार, एडिशनल सी.ई.ओ. होरीलाल साहू, सहायक विकास अधिकारी देवेन्द्र उईके, जिला स्वच्छता प्रभारी बसंत कुमार मारकंडेय और मेघा कुर्रे, प्रभारी प्राचार्य गुमान साहू तथा शाला के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा यूथ एवं ईको क्लब के छात्रों का विशेष योगदान रहा। स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम को सी ई ओ विनय कुमार, एडिशनल सी ई ओ होरिलाल साहू, प्रभारी प्राचार्य गुमान साहू, मेघा कुर्रे तथा बसंत मारकंडेय ने संबोधित किया। सी ई ओ विनय कुमार ने छात्रों को अपने आसपास के वातावरण तथा स्कूल परिसर को स्वच्छ रखने का अपील किया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में साफ सफाई की छोटी-छोटी क्रियाओं को अपने आदतों में शामिल करें। घर के शौचालय की नियमित सफाई करें, शौच के बाद साबुन या हैंडवाश से नियमित हाथ धोएं। पानी छानकर एवं आवश्यकता पड़ने पर उबाल कर पिएं, घरेलू कचरों एवं प्लास्टिक का उचित निपटान करें, सब्जियों के कचरे से खाद तैयार करें एवं घर के किचन गार्डन में इसका उपयोग करें, गावों में कचरे के ढेर न लगने दें। कचरों का शासन के निर्देशानुसार उचित निपटान करें।

इसी तरह एडिशनल सी ई ओ होरीलाल साहू ने भी प्लास्टिक के सीमित उपयोग का आग्रह किया। विशेषकर सिंगल यूज्ड प्लास्टिक का उपयोग बहुत ज्यादा बढ़ गया है, इससे मिट्टी तेजी से प्रदूषित हो रही है। लोग उपयोग तो करते हैं लेकिन निपटान सही तरीके से नहीं करते इससे मिट्टी में ये प्लास्टिक यत्र-यत्र फैल जाता है और मिट्टी को अनुपजाऊ बना रही है। इसी प्रकार प्लास्टिक में गर्म खाद्य पदार्थों के सेवन से प्लास्टिक के हजारों सूक्ष्म कण शरीर में जाते हैं, इससे कैंसर का रोग तेजी से फैल रहा है। इसलिए दैनिक जीवन में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। यूथ एवं ईको क्लब प्रभारी रूपेश नागपुरे ने भी पर्यावरण सुरक्षा के लिए धरती को प्लास्टिक मुक्त बनाने एवं स्वच्छ वायु के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आग्रह किया। प्रभारी प्राचार्य गुमान साहू ने स्वच्छ भारत मिशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के योगदान पर विस्तृत चर्चा किया। एनएसएस इकाई के द्वारा भी विद्यालयों साल भर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। सात दिवसीय आवासीय कैंप के द्वारा भी आसपास के गावों में स्वच्छता पखवाड़ा का विशेष आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में शाला के सभी टीचर्स एवं छात्र छात्राएं शामिल हुए।

### ग्राम पंचायत खड़गांव में कौशल विकास पखवाड़ा का आयोजन किया गया

मोहला (दावा)। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़गांव में कौशल विकास पखवाड़ा के तहत आज शिविर का आयोजन किया गया। इसके साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024 के तहत जाबो कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता शपथ दिलाया गया। कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण देने पंजीयन किया गया। साथ ही युवाओं को मार्गदर्शन के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत मानपुर के उपाध्यक्ष श्रीमती शाहिदा खान, सरपंच ग्राम पंचायत खडगांव राजाराम मरापी, कौशल विकास विभाग के अधिकारी, प्राचार्य आईटीआई कॉलेज मानपुर महेंद्र सोनी, जनपद पंचायत मानपुर से सहायक विकास विस्तार अधिकारी रोहन कलामे सहित क्षेत्रीय युवक युवती उपस्थित रहे।

## पहला कॉलम...

### इजरायल से तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी

कजान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से मुलाकात की। जुलाई में ईरान का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मोदी से इस पहली मुलाकात में पेजेश्कियन ने पश्चिम एशिया में शांति की जरूरत एवं तनाव कम करने में भारत की भूमिका पर बल दिया क्योंकि उसके सभी पक्षों के साथ अच्छे संबंध हैं। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आइएनएसटीसी) पर भी बात हुई। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति पेजेश्कियान के साथ मुलाकात अच्छी रही और उन्होंने रिश्तों की समीक्षा की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि वार्ता उपयोगी रही। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर चिंता जताई और भारत ने नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान किया। मिसरी ने बताया कि दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान की स्थिति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने ईरानी राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब इजरायल, हमास और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष बढ़ गया है।

### 7 मंजिला इमारत गिरने से 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कर्नाटक में बेंगलुरु के बाबूसापल्या में एक निर्माणाधीन सात मंजिला इमारत ढह जाने के बाद खोज एवं बचाव अभियान के दौरान पांच और लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इन शवों के मिलने के बाद, हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अब 6 हो गई है। यह घटना मंगलवार को हुई थी जिसके बाद से ही अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर राहत-बचाव अभियान चला रही हैं। यह घटना उस दौरान हुई जब बेंगलुरु में भारी बारिश हो रही थी। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने घटनास्थल का जायजा। उन्होंने कहा है कि बेंगलुरु की यह निर्माणाधीन इमारत अवैध थी और इसके मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे बताया गया कि कोई अनुमति नहीं दी गई थी। अवैध गतिविधियां चल रही थीं। हम मालिक, ठेकेदार और सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। पूरे बेंगलुरु में सभी अवैध निर्माण तुरंत रोक दिए जाएंगे। ठेकेदार, अधिकारी और यहां तक कि संपत्ति के मालिक, सभी पर कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। बिल्डिंग गिरने के समय का वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो घटनास्थल के पास ही मौजूद किसी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। वीडियो में पूरी मकान को एक साथ गिरते हुए देखा जा सकता है। घटना का वीडियो देखकर हर कोई हैरान है। वहीं घटना के दौरान मकान में काम चल रहा था और वहां पर कई सारे मजदूर भी मौजूद थे।

### बायजू पर लटकी दिवाला कार्रवाई की तलवार, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण के उस फैसले को बुधवार को खारिज कर दिया जिसमें उसने संकटग्रस्त शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनसीएलएटी के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बायजू को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान को मंजूरी दी गई थी। न्यायालय ने क्रिकेट बोर्ड को 158.9 करोड़ रुपये की निपटान राशि कर्जदाताओं की समिति के पास जमा करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि अमेरिकी कंपनी ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी ऋणदाता होने के नाते एनसीएलटी, एनसीएलएटी और उच्चतम न्यायालय में कॉरपोरेट दिवाला कार्यवाही से संबंधित मामलों में प्रभावित पक्ष के रूप में हस्तक्षेप करने का अधिकार रखती है। शीर्ष अदालत ने दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी को अपनी अंतर्निहित शक्तियों का सहारा लेकर बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को रोकने से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई। पीठ ने कहा, च्च्एनसीएलएटी को डाकघर नहीं माना जा सकता जो कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में पक्षों द्वारा प्रस्तुत वापसी आवेदन पर महज मुहर लगा देता है।

न्यायालय ने कहा कि प्रक्रिया वापस लेने संबंधी याचिका आईआरपी (दिवाला समाधान पेशेवर) द्वारा पेश की जानी चाहिए थी, न कि कॉरपोरेट देनदार या अन्य पक्षों द्वारा। मौजूदा परिस्थितियों में एनसीएलएटी का विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग उचित नहीं था।

# भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक, मेजबान मलेशिया को हराया

नई दिल्ली। भारत के लिए शारदा नंद तिवारी (11वें), अर्शदीप सिंह (13वें), तालेम प्रियाव्रत (39वें) और रोहित (40वें मिनट) ने गोल किए, जबकि मलयेशिया के लिए मुहम्मद दानिश ऐमन (8वां मिनट) और हैरिस उस्मान (9वां मिनट) ने गोल किए।

तीन बार के चैंपियन भारत ने सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान मलयेशिया को 4-2 से हराकर अपना अजेय क्रम जारी रखा। भारत की यह लगातार तीसरी जीत है। भारत नौ अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है, जबकि न्यूजीलैंड पांच अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारत के लिए शारदा नंद तिवारी (11वें ), अर्शदीप सिंह (13वें), तालेम प्रियाव्रत (39वें) और रोहित (40वें मिनट) ने गोल किए, जबकि मलयेशिया के लिए मुहम्मद दानिश ऐमन (8वां मिनट) और हैरिस उस्मान (9वां मिनट) ने गोल किए। मलयेशिया ने इस मुकाबले में जोरदार शुरुआत कर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था।

घरेलू टीम ने कप्तान मुहम्मद अदी जाजमी जमलुस के बनाए मौके पर मुहम्मद दानिश ऐमन के मैदानी गोल से बढ़त हासिल कर ली। उस्मान हैरिस ने पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से टीम ने एक मिनट बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। भारत की अग्रिम पंक्ति ने हालांकि आक्रामक खेल जारी रखते हुए दबाव को हावी नहीं होने दिया। शानदार लय में चल रहे ड्रैग फ्लिकर शारदा नंद सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मुकाबले में भारत की वापसी कराई।

### युवराज सिंह को भारी पड़ा जागरूकता अभियान से जुड़ना

नई दिल्ली। स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता अभियान से जुड़ना पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को भारी पड़ गया है। ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए युवराज के यूवीकैन फाउंडेशन ने एक पोस्टर तैयार किया है। इसमें महिलाओं के स्तन को संतरे के रूप में परिभाषित किया गया है। अब जागरूकता पोस्टर में यूज किए गए विवादित शब्द पर फैंस युवराज सिंह की आलोचना कर रहे हैं।

यूवीकैन फाउंडेशन के एक क्रिएटिव पोस्टर में लिखा गया है कि हर महीने एक बार अपने संतरे चेक करें। इस विज्ञापन का उद्देश्य यह संदेश फैलाना है कि ब्रेस्ट कैंसर का समय पर पता लग जाने से जान बच सकती है। पोस्टर में एक महिला को बस में खड़े दिखाया गया है, जिसके हाथ में दो संतरे हैं, जबकि कई बुजुर्ग महिलाएं बैठी हुई हैं। बुजुर्ग महिलाओं में से एक के पास संतरे का एक डिब्बा है। अब इस पोस्टर पर बवाल मचा हुई है।

इसे लेकर एक सोशल मीडिया यूजर ने दिल्ली मेट्रो के कोच के अंदर चिपकाए गए पोस्टर की तस्वीर शेयर करते हुए आलोचना की है। यूजर ने पोस्टर और शब्दों के गलत इस्तेमाल के लिए युवराज सिंह के संगठन के साथ-साथ दिल्ली मेट्रो की भी आलोचना की है। यूजर ने दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों से इस पोस्टर को जल्द से जल्द हटाने की अपील की है। साथ ही युवराज सिंह को भी टैग करते हुए उनसे इस पोस्टर को हटाने का आग्रह किया।

### इराक में इस्लामिक स्टेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, कमांडर समेत मारे गए 9 आतंकी

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री ने कहा है कि एक सैन्य अभियान के दौरान आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के एक कमांडर और आठ अन्य आतंकवादियों को मार गिराया गया है। वहीं, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका और इराकी सुरक्षा बलों ने सोमवार रातभर एक संयुक्त अभियान संचालित किया और इस दौरान दो अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए हैं। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने कहा कि सलाहुद्दीन प्रांत के हमरीन पर्वतीय क्षेत्र में आतंकवाद रोधी सुरक्षा बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा के एक संयुक्त अभियान में जासिम अल-मजरुई अबु अब्दुल कदिर मारा गया। अल-सुदानी ने एक बयान में कहा, इराक में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम उनके ठिकानों तक उनका पीछा करेंगे और उनका खात्मा करेंगे।

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव एवं अमेरिकी वायुसेना के मेजर जनरल पैट राइडर ने बताया कि अभियान के दौरान घायल हुए दोनों अमेरिकी सैनिकों की हालत स्थिर है। राइडर और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट के शीर्ष आतंकवादियों को निशाना बनाया गया। हालांकि, उन्होंने हमले में अब्दुल कादिर के मारे जाने की पुष्टि नहीं की। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि पेंटागन मारे गए आतंकवादियों की पहचान उजागर करने से पहले अंतिम जांच विश्लेषण का इंतजार कर रहा है। संयुक्त अभियान कमान ने एक बयान में कहा कि च्च्अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बलों की ओर से सटीक खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान के आधार परज्ज् यह अभियान चलाया गया।

### पाइरेसी बनी भारतीय मनोरंजन उद्योग के लिए मुसीबत, बीते साल 22,400 करोड़ का लगा चूना

नई दिल्ली। पाइरेसी से भारतीय मनोरंजन उद्योग काफी पहले से परेशान है। लेकिन बीते साल के ताजा आंकड़े ने तो सबको हैरान कर दिया है। भारतीय मनोरंजन उद्योग को 2023 में मूल सामग्री की चोरी यानी पाइरेसी से 22,400 करोड़ रुपये का भारी-भरकम नुकसान हुआ है। ईवाई और इंटरनेट एवं मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) की बुधवार को जारी द रॉब रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई। पीटीआई की खबर के मुताबिक, रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल सामग्री की चोरी (पाइरेसी) के जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए मजबूत रेगुलेशन और सहयोगात्मक कोशिशों की जरूरत है।

खबर के मुताबिक, भारत में 51 प्रतिशत मीडिया उपभोक्ता मूल सामग्री को अवैध स्रोतों (पाइरेटेड) से हासिल करते हैं। इसमें सबसे ज्यादा 63 प्रतिशत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये ऐसा किया जा रहा है। भारत में मूल सामग्री की चोरी के जरिये 2023 में 22,400 करोड़ रुपये की कमाई की गई। इसमें से 13,700 करोड़ रुपये सिनेमाघरों में अवैध तरीके बनाई की गई सामग्री से, जबकि 8,700 करोड़ रुपये ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री से हासिल किए गए। अनुमान है कि इससे 4,300 करोड़ रुपये तक का संभावित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का नुकसान हुआ है। मूल सामग्री चोरी यानी पाइरेसी का मतलब यहां किसी की कॉपीराइट सामग्री की गैर-कानूनी नकल, डिस्ट्रीब्यूशन या इस्तेमाल से है। इसमें संगीत, फिल्में, सॉफ्टवेयर और बौद्धिक संपदा आदि शामिल हो सकते हैं। इसे चोरी का एक रूप माना जाता है क्योंकि यह मूल रचनाकारों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और इससे उन्हें महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान हो सकता है। आईएएमएआई की डिजिटल मनोरंजन समिति के चेयरमैन रोहित जैन ने हितधारकों के बीच सामूहिक कार्रवाई की तत्काल जरूरत पर बल दिया। जैन ने कहा कि भारत में डिजिटल मनोरंजन की तेज ग्रोथ से इनकार नहीं किया जा सकता है।

### ट्रेविस हेड ने लगा दिया वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड अपनी विस्फोटक पारी से पिछले 2 साल में गेंदबाजों के लिए आतंक साबित हुए हैं. हेड ने पिछले 2 साल में हर फॉर्मेट में रन बनाए हैं और ऑस्ट्रेलिया को 2 बार आईसीसी खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है. हेड का घरेलू क्रिकेट में भी एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड था जो टूट गया है.

ट्रेविस हेड और भारत के एन जगदीशन के नाम लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड था. इन दोनों बल्लेबाजों ने 114-114 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया था. न्यूजीलैंड के एक बल्लेबाज ने ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है. न्यूजीलैंड के बल्लेबाज चैड बोज ने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक लगाते हुए ट्रेविस हेड और भारत के एन जगदीशन का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है. चेड बोज ने मात्र 103 गेंद में लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक लगा दिया. बोज ने फॉर्ड ट्रॉफी ने केंटरबरी और आटागो के बीच खेले गए मैच में 110 गेंद में 205 रन की पारी खेली. इस पारी में 27 चौके और 7 छक्के लगाए. हालांकि इस पारी के बावजूद बोज की टीम 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 353 रन ही बना सकी.

32 साल के चैड बोज ने न्यूजीलैंड के लिए 6 वनडे और 11 टी 20 मैच खेले हैं. 6 वनडे में 99 और 11 टी 20 में 187 रन उनके नाम हैं. लिस्ट ए क्रिकेट में 100 मैचों में 8 शतक लगाते हुए उन्होंने 3492 रन बनाए हैं.

### भारतीय अर्थव्यवस्था में स्थिरता और मजबूती से आत्मसंतुष्ट नहीं - आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा है कि तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में स्थिरता और मजबूती से वे आत्मसंतुष्ट नहीं हैं।

उनके अनुसार, मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छा है और भारत अपने विकास पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने आरबीआई के हालिया मासिक बुलेटिन में कहा, मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, हालांकि हमें अभी भी काफी दूरी तय करनी है। बाहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा भंडार नए शिखर छू रहा है। राजकोषीय समेकन का काम चल रहा है। वित्तीय क्षेत्र मजबूत और लचीला बना हुआ है।

गवर्नर ने आगे कहा कि भारत की संभावनाओं के बारे में वैश्विक निवेशकों का आशावाद शायद अब तक के उच्चतम स्तर पर है।

उन्होंने कहा, हालांकि, तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच हम आत्मसंतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, हम हालांकि हमें अभी भी काफी दूरी तय करनी है। बाहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा भंडार नए शिखर छू रहा है। राजकोषीय समेकन का काम चल रहा है। वित्तीय क्षेत्र मजबूत और लचीला है। अप्रैल-अगस्त 2024 में उछाल आया है।

पीएफसीई वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और इसका समग्र जीडीपी वृद्धि में 4.2 प्रतिशत अंकों का योगदान रहा है।

आरबीआई के अनुसार, ग्रामीण मांग में धीरे-धीरे वृद्धि देखी जा रही है। मोटरसाइकिल की बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई, जबकि जून-जुलाई 2024 में ट्रैक्टर की बिक्री में वृद्धि हुई। इसके अलावा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के तहत काम की मांग वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 16.6 प्रतिशत घटी, जो कृषि क्षेत्र में रोजगार में सुधार को दर्शाती है।

आरबीआई के दस्तावेज में जोर दिया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) को लेकर खर्च में बढ़ोतरी हुई है, जो कि ग्रामीण मांग को लेकर एक अच्छा संकेत है। दक्षिण-पश्चिम मानसून में सामान्य से अधिक वर्षा, खरीफ की बुवाई में बढ़ोतरी, जलाशयों के बेहतर स्तर और कृषि को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण ग्रामीण मांग में सुधार को बनाए रखने के संकेत हैं। इसमें कहा गया है कि घरेलू विकास ने अपनी गति बरकरार रखी है तथा निजी उपभोग और निवेश में भी समान वृद्धि हुई है।

## प्रथम पेज का शेष

*5 साल बाद मोदी-जिनपिंग की द्विपक्षीय बातचीत:....*

अंत में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अगले वर्ष चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया। श्री मिस्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, निश्चित रूप से हमारी अपेक्षा है कि न केवल कुछ दिन पहले भारतीय और चीनी राजनयिक और सैन्य वार्ताकारों के बीच जो समझौता हुआ था, बल्कि सर्वोच्च नेता स्तर पर उस समझौते के समर्थन के परिणामस्वरूप भी यह संभव हो सका। जैसा कि आज की बैठक में हुआ, दोनों देशों के बीच प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग दोनों ने भारतीय और चीनी वार्ताकारों द्वारा किए गए प्रयासों और उनके द्वारा प्राप्त परिणामों का स्वागत किया। मुझे लगता है कि इनसे निश्चित रूप से एलएसी पर स्थिति में नरमी आनी चाहिए। हमारे पास विश्वास-निर्माण के कई उपाय हैं और ये लगातार विकसित होते रहते हैं। चूंकि दोनों पक्ष एक बार फिर कई प्रारूपों में शामिल हो रहे हैं, यह निश्चित रूप से एक ऐसा विषय है जिस पर मुझे लगता है कि दोनों पक्षों के बीच चर्चा होगी। श्री मिस्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत चीन सीमा मसले पर अपने अपने विशेष प्रतिनिधियों को शीघ्र मिलने और इस संबंध में अपने प्रयास जारी रखने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा, आपको याद होगा कि भारत के विशेष प्रतिनिधि, अजीत डोभाल, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं, और चीन के विशेष प्रतिनिधि, विदेश मंत्री वांग यी, जो पोलित ब्यूरो के भी सदस्य हैं, ने अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के मौके पर मुलाकात की है। दिसंबर 2019 के बाद से उन्होंने विशेष प्रतिनिधि प्रारूप में बातचीत का एक दौर नहीं लिया है। आज की बैठक के बाद, हमें उम्मीद है कि हम अगले दौर की बातचीत तय करेंगे। विशेष प्रतिनिधि उचित तिथि पर बातचीत करते हैं।

*उद्धव की शिवसेना ने जारी की..*

कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, आज शरद पवार के नेतृत्व में एमवीए की बैठक हुई, जिसमें तीनों दलों ने 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ने फैसला किया है और 18 सीटों को समाजवादी पार्टी, शेकाप समेत गठबंधन की अन्य सहयोगियों को दिया जाएगा, सहयोगी दलों से बातचीत की जाएगी और कल तक सब कुछ साफ हो जाएगा। हम महाविकास अघाड़ी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और हम सरकार बनाएंगे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी, जो 29 अक्टूबर तक चलेगी। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म होगा।

*शिवराजसिंह चौहान को दी बड़ी जिम्मेदारी,.....*

पीएम नरेंद्र मोदी का उन पर बढ़ते भरोसे का परिचायक भी है। मॉनिटरिंग ग्रुप केंद्रीय योजनाओं में बदलाव करने से लेकर कोई नई स्कीम शुरू करने तक का फैसला करता है। इस ग्रुप का उद्देश्य केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा करने के साथ ही उनकी कमियां बताना भी है। यही वजह है कि शिवराजसिंह चौहान को मॉनिटरिंग ग्रुप के अध्यक्ष का दायित्व देना राजनैतिक नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही केंद्र सरकार की योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए ग्रुप गठित किया था। 2019 में मॉनिटरिंग ग्रुप को पुनर्गठित किया गया। अब पीएम नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार सरकार बनने पर नए सिरे से मॉनिटरिंग ग्रुप बनाया है। मॉनिटरिंग ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में शिवराजसिंह चौहान केंद्र सरकार की सभी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखेंगे और उनकी स्टेटस रिपोर्ट भी पीएम नरेंद्र मोदी को भेजेंगे। इतना ही नहीं, मॉनिटरिंग ग्रुप केंद्रीय बजट सहित बुनियादी ढांचा संबंधित प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन की भी समीक्षा करेगा। मॉनिटरिंग ग्रुप की हर माह बैठक होगी।

*बिजली विभाग के कर्मचारियों को ...*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज 375 जूनियर इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पावर कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए कैशलेस हेल्थ स्कीम भी लॉन्च की। छत्तीसगढ़ राज्य पावर कंपनी मुख्यालय डंगनिया में पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की तीनों पावर कंपनियों में चयनित 375 कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक गण पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, रोहित साहू, गुरु खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ पावर कंपनी के अध्यक्ष डॉ रोहित यादव, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्या घर मुक्त बिजली योजना की प्रचार सामग्री का भी विमोचन किया।

*कोर्ट की सख्ती, अलग जेलों में रहेंगे शराब...*

इसके बाद 15 से 16 अप्रैल 2023, फिर 17 मई से 21 जून 22 जून से छह जुलाई तक भर्ती कराया गया था। वहीं, लक्ष्मीकांत तिवारी को 17 जनवरी 2024 को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां 21 जनवरी तक वे भर्ती रहे। सूर्यकांत तिवारी को 17 और 18 नवंबर 2022 को आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 18 से 19 फरवरी 2023, 17 से 29 अप्रैल 2023, 15 मई से आठ जुलाई तक तिवारी फिर से आंबेडकर अस्पताल में भर्ती रहे। अन्य आरोपित भी कई बार अस्पताल गए, लेकिन रिकॉर्ड नहीं मिले। ईडी की विशेष कोर्ट ने सुनाया फैसला- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील सौरभ कुमार पांडेय ने बताया कि प्रदेश के बहुचर्चित कोयला, शराब और कस्टम मिलिंग घोटाले में जेल में बंद आरोपितों के जेल ट्रांसफर का आवेदन आया था। इसके बाद आरोपितों को अलग-अलग जेलों में ट्रांसफर किया जाएगा। गढ़चिरौली में ढेर पांच नक्सलियों पर था 38 लाख रुपये का इनाम, दर्ज थे दर्जनों केसगढ़चिरौली में ढेर पांच नक्सलियों पर था 38 लाख रुपये का इनाम, दर्ज थे दर्जनों केस कांग्रेस सरकार के दौरान बार-बार हो रहे थे बीमार- कोयला और शराब घोटाला केस में जेल में बंद छह आरोपित ऐसे थे, जो कांग्रेस सरकार के दौरान दिसंबर से पहले बार-बार जेल में बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती होकर सारी सुविधाएं ले रहे थे। भाजपा सरकार आने के बाद कोई भी आरोपित एक बार भी बीमार नहीं हुआ। अस्पताल के सबसे ज्यादा चक्कर सूर्यकांत तिवारी और अनवर ढेबर ने लगाए थे। सूर्यकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल, लक्ष्मीकांत तिवारी, नितेश पुरोहित और त्रिलोक ढिल्लन दिसंबर के पहले कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे।

### टी-20 में सबसे बड़े स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड- जिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ 344 रन बनाए, 290 रनों से जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया

स्पोर्ट्स डेस्क। जिम्बाब्वे ने बुधवार को गाम्बिया के खिलाफ 20 ओवर में 4 विकेट पर 344 रन का स्कोर बना दिया। यह टी-20 इंटरनेशनल मैच में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड नेपाल के नाम था, उसने मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे ने यह मैच 290 रन से जीता। यह टी-20 इंटरनेशनल में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने मैच में 33 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने 43 गेंद में 133 रन की पारी खेली। यह मैच टी-20 वर्ल्ड कप क?वालि?फायर्स के तहत नैरोबी में खेला गया।

#### सिकंदर रजा ने 15 छक्के और 7 चौके लगाए

जिम्बाब्वे ने मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे के लिए ओपनर ब्रायन बेनेट और मरुमानी ने 5.4 ओवर में 98 रन की साझेदारी की। मरुमानी ने 19 गेंद में 62 और बेनेट ने 26 गेंद में 50 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने जिम्बाब्वे की ओर से सबसे अधिक नाबाद 133 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 15 छक्के और 7 चौके लगाए।

#### सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड

जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 344 रन बनाए। जवाब में गाम्बिया 14.4 ओवर में 54 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह जिम्बाब्वे की टीम ने यह मैच 290 रन से जीता। इसके साथ ही जिम्बाब्वे ने टी-20 इंटरनेशनल की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। पहले यह रिकॉर्ड नेपाल के नाम था, जिसने पिछले साल मंगोलिया को 273 रनों से हराया था।

# जिले को नई पहचान और विकास की पंख देने में कलेक्टर एस जयवर्धन का अविस्मरणीय योगदान

मोहला (दावा)। छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर नवीन जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की स्थापना 2 सितंबर 2022 को हुई। शासन द्वारा नवीन जिला की कमान 2014 बैच के आईएएस अफसर श्री एस जयवर्धन को सौंपा गया।

श्री जयवर्धन इससे पहले जिले के ओएसडी के रूप में 6 महीने यहां काम कर जिला स्थिति से रूबरू हुए थे। उन्होंने जिले स्थापना उपरांत अपना तन-मन और कुशल नेतृत्व झोंक दिया। नक्सल प्रभावित जिला होने के उपरांत भी उन्होंने जिले में विकास की गति को पंख देने में अपना अहम योगदान दिया। उन्होंने जिले के तीनों विकासखंड के एक-एक गांव में पहुंच कर यहां की मूलभूत संसाधन, सुविधा और समस्या को समझते हुए जिले के विकास के अनुकूल माहौल तैयार किया। श्री जयवर्धन ने यहां कम संसाधन, सुविधा के उपरांत भी जिला कार्यालय के अन्य विभागीय अधिकारियों को साथ लेकर बेहद साजिदे ढंग से सादगीपूर्ण, सौम्य वातावरण निर्मित करते हुए जिले को नई पहचान और विकास की पंख देने में अहम योगदान दिया। श्री जयवर्धन ने बहुत

**श्री जयवर्धन ने बोया विकास का पौधा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में भविष्य में बढ़ेगा बरगद का पेड़**

ही कम समय में जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी को छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर विकसित जिला और उभरते हुए जिला के रूप में स्थापित करने में कड़ी मेहनत की। इसके साथ ही जिले को पहचान दिलाने में निरंतर प्रयासरत रहे। श्री जयवर्धन ने जिले के अंदर खुशनुमा माहौल तैयार कर आम जनता के सरोकारों को समझते हुए आम जनता के साथ एक अटूट रिश्ता बनाने में कामयाब रहे। श्री जयवर्धन ने जो जिले वासियों के लिए विकास की बुनियाद गढ़ी है, वह जिले को नई ऊंचाई और नये मुकाम तक ले जाने में मिल का पत्थर साबित होगा।

श्री जयवर्धन ने अपने कार्यकाल में जो विकास की नींव रखी है, वह जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के लिए अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने में कारगर कदम साबित होगा। श्री एस जयवर्धन ने जिले की बुनियादी ढांचा को मजबूत करने का काम किया है वह जिले के एक-एक नागरिकों के मन में अविस्मरणीय रहेगा। जिस समय जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की स्थापना की गई, उस दौरान जिला काफी पिछड़े पन और नक्सल से पीड़ित जिला था। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी विकास के लिए तरस रहा था। एक ऐसा जिला जिसने नक्सल से अपने छाती को छलनी होते हुए देखा हो उस जिले में शांति का माहौल निर्मित करना, शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करना, प्रशासन को जनता के बीच ले जाना, विकास की बुनियादी ढांचे को धरातल पर उतारना, जिले की हर एक समस्या को गंभीरता से लेना, शिक्षा स्वास्थ्य सहित अन्य सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देना, समुद्र में तैरने के समान था। पर श्री जयवर्धन ने हर चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपनी उच्च सोच और उल्लेखनीय योगदान के चलते जिले में विकास की इबादत रखी। श्री जयवर्धन के द्वारा किया गया योगदान जिले को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने में एक अहम कड़ी साबित होगा। प्रशासनिक तौर पर भले ही श्री एस जयवर्धन जिला से विदा हो रहे हो, पर उनका कृतित्व और व्यक्तित्व हमेशा जिले के धड़कन बनकर जिले को विकास की निरंतर नई ऊंचाइयां और मुकाम तक ले जाने में योगदान देता रहेगा। यथार्थ जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में श्री जयवर्धन ने जो विकास का पौधा रोपा है वह भले दो वर्ष का हो, अपितु आने वाले समय में विशाल बरगद का रूप लेकर जिले वासियों को अपना छत्रछाया और स्नेहरूपी कायाकल्प देता रहेगा।

# बीटीआई में हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

डोंगरगांव (दावा)। नगर के बुनियादी प्रशिक्षण संस्था में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जाबो कार्यक्रम के तहत मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 22 अक्टूबर मंगलवार को किया गया, इस दौरान उपस्थित अधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को मतदान संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया।

इसके साथ ही नवीन मतदातों को जागरूक करने तथा अधिक से अधिक मतदान करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया गया, आगामी दिनों में होने वाले चुनाव को लेकर आयोग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नुक्कड़ नाटक, स्लोग, पेटिंग, बैनर-पोस्टर आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, इसके साथ अधिकारियों ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचक नियमावली तैयार करने हेतु संशोधित आदेश प्राप्त हुआ है, जिसके तहत दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर दोपहर 3 बजे तक, दावा आपत्ति का निपटारे की अंतिम तिथि 8 नवम्बर, प्ररूप क्र-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 8 नवम्बर, प्ररूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि 12 नवम्बर, दावे आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील करने की अंतिथि निराकरण आदेश पारित होने के 5 दिन के भीतर, परिवर्धन, संसोधन, विलोपन के प्रकरणों की प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में 20 नवम्बर तक, चेक लिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्ररकरण अधिकारी द्वारा जांच तथा पीडीए मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को 22 नवम्बर तक, अनुपूरक सूची का मुद्रण और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न करने की तारीख 25 नवम्बर तक तथा निवार्चक नामावली अंतिम प्रकाशन 27 नवम्बर गुरूवार तक किया जाना है।

कार्यक्रम में प्राचार्य बुनियादी प्रशिक्षण संस्था के.पी.साव, व्याख्याता रेवाराम देशलहरे, देवेश जैन, नन्हूराम लेझारे, शिक्षक नरेन्द्र चंद्रवंशी, इंद्र कुमार सिन्हा, बीएलओ संतोष सिंह ठाकुर एवं समस्त छात्र छात्रायें एवं अध्यापक उपस्थित रहे।

# रेल्वे सुरक्षा बल मंडल ने शहीद दिवस पर किया रक्तदान

राजनांदगांव (दावा)। दीपचन्द्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में 21 अक्टूबर को आरपीए रिजर्व ग्राउंड मोतीबाग नागपुर में वर्ष 2023-24 मे शहीद पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजली देने के पश्चात जीएसके ब्लाड बैंक रामदासपेठ नागपुर के समन्वय से रेसुब न्यु बैरक मोतीबाग नागपुर में शहीद जवानों की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दीपचन्द्र आर्य/मं.सु.आ., रेसुब नागपुर के नेतृत्व में मुख्य अतिथि-अपर मंडल रेल प्रबंधक, द.पु.म.नागपुर एवं विशेष अतिथियों में एसइसीआरडब्लूओ नागपुर की वाईस प्रेसिडेंट सहित उनके सदस्य सम्मिलित हुए।

इस शहीद दिवस के अवसर पर रेसुब द.पु.म.नागपुर मंडल

द्वारा जीएसके ब्लाड बैंक रामदासपेठ नागपुर के सहयोग से आयोजित रक्तदान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी.वी.जगताप/अपर मंडल रेल प्रबंधक, द.पु.म.नागपुर द्वारा आगमन उपरांत शहीद स्मारक पर जाकर शहीदो को याद कर पुष्प अर्पित कर शहीदो को श्रद्धांजलि दी गई।

दीप चंद्र आर्य/मं.सु.आ. के नेतृत्व में रेसुब के जवानों को अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित कर रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन अपर मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से प्रारंभ किया गया।

रक्तदान कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीपचंद्र आर्य, मं.सु.आ., रेसुब नागपुर महोदय द्वारा स्वंय रक्तदान कर अन्य बल सदस्यों को प्रोत्साहित किया, इस प्रकार रेसुब के कुल-32 अधिकारी व बल सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया। रेसुब द्वारा आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में विशेष अतिथियों के रूप मे आमंत्रित श्रीमती रश्मि चंद्रिकापुरे, वाईस प्रेसिडेंट सेक्रो नागपुर, श्रीमती विमला आर्य, सदस्या सेक्रो नागपुर (डब्ल्यू/ओ दीप चंद्र आर्य, मं.सु.आ.), श्रीमती सोनल गजभिये सदस्या सेक्रो, श्रीमती रितविका खरे, सदस्या सेक्रो, श्रीमती राजदुलारी सदस्या सेक्रो नागपुर द्वारा रेसुब नागपुर द्वारा शहीद दिवस पर श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये आयोजित रक्तदान कार्यक्रम की खुब प्रसंशा की गई और उपस्थित वाईस प्रेसिडेंट एवं सभी सेक्रो सदस्यों ने भी (कुल-05) रक्तदान किये और यह उनके जीवन का पहला रक्तदान होने की जानकारी देते हुए मंडल सुरक्षा आयुक्त को इस प्रोत्साहन तथा सामाजिक दायित्व में सहभागी बनाने हेतु धन्यवाद दिया।

# जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

डोंगरगढ़(दावा)। शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय लाल बहादुर नगर के प्राचार्य डॉ आर के ठाकुर की निर्देशन में जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक आध्यात्मिक योगदान विषय पर महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला संयोजक प्रो मनोहर बोकड़े एवं सहसंयोजक प्रो अरुण कुमार साहू तथा मुख्य अतिथि राजीव शर्मा प्रांत प्रचार प्रमुख वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ एवं विशिष्ट अतिथि नंदेश्वर श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती बिरसा मुंडा शहीद वीर नारायण सिंह के तेलचित्र पर दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। पूजा एवं डोमेश्वरी द्वारा सरस्वती वंदना व राज्य गीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉ आर के ठाकुर द्वारा मंचित अतिथियों का स्वागत करते हुए उद्बोधन में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की अदम्य वीरता और साहस को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किए तथा जनजातीय वितरण, वर्गीकरण, समाज में शिक्षा का महत्व , जनजातीय का प्रकृति संरक्षण में योगदान रहा द्य सुश्री कविता यदु अतिथि व्याख्याता समाजशास्त्र द्वारा जनजातीय समाज का इतिहास पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा रानी दुर्गावती , बिरसा मुंडा , व वीर नारायण सिंह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को बताया। मुख्य अतिथि राजीव शर्मा अपने वक्तव्य में भगवान राम की कहानी, तिलका मांझी जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ प्रथम संघर्ष किया, संथाल क्रांति , जनजाति समुदाय का जीवन संघर्ष, आत्मसम्मान , मातृभूमि की रक्षा के प्रति अटूट निष्ठा की अभूतपूर्व भूमिका का वर्णन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो बी आर चंद्रवंशी ने कार्यक्रम का सफ़ल संचालन किया।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा जनजाति समाज की परंपराओं , संस्कृति , स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। डॉ. श्रीमती हेमलता गायकवाड़ , श्रीमती रीना सलामे , सुश्री सोनल नागवंशी, सूर्यकांत वर्मा , राजेश चक्रधारी , नम्रता प्रतीक्षा , प्रीति साहू , सुश्री कामिनी वर्मा, रूपेश बंसोड़, हेमंत कंवर , बलराम साहू , डी एल यादव गुरेश्वर ध्रुव , गौतम रगड़े , मंशाराम चंद्रवंशी तथा महाविद्यालय छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

# धम्म गुरुओं ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा की स्थापना की

डोंगरगढ़ (दावा)। शहर के कालकापारा स्थित नवीन बुद्ध विहार में तथागत गौतम बुद्ध की अष्टधातु से निर्मित पांच फिट की प्रतिमा की स्थापना धम्म गुरुओं के हाथों की गई। इस अवसर पर धम्म गुरु धम्मसेना नायक आर्य नागार्जुन, भदंत सुरई ससाई, भदंत नागसेन, भदंत धम्म्म प्रकाश, भदंत भीमा बोधि, भदंत नागरत्न, भवंत कुमार कश्यप, भदंत अश्वजीत सहित बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयाई उपस्थित रहे। धम्म नायक भंते सुरई ससाई के मार्गदर्शन में धम्म गुरुओं ने सामूहिक वंदना कर पूरे विधि-विधान से तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा स्थापित कर मोमबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए।

धम्म गुरुओं ने उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों से भारत देश ही नहीं पूरा विश्व प्रकाशमय हो गया है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को देश सहित विदेशों में बड़ी संख्या में लोग ग्रहण कर रहे हैं। पूरे आयोजन का संचालन बौद्ध समाज के अध्यक्ष डॉ. एम नंदेश्वर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रेमलाल मेश्राम, पूर्व विधायक विनोद खाडिकर, नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धीरज मेश्राम, पार्षद अलका जयेश सहारे, अनीता लोकेश इदुलकर, नूतन महिला मंडल अध्यक्ष माया भास्कर, भीम सेना अध्यक्ष शुभम बौद्ध, राजकुमार नंदेश्वर, अनिल मेश्राम, शैलेन्द्र डोंगरे, सिद्धार्थ नागदेवे, अनिल सहारे, मिलन टेम्भुलकर, नलिनी मेश्राम,

**भगवान बुद्ध के विचारों से पूरा विश्व प्रकाशमय हो गया है - धम्म गुरु सुरई ससाई**
**बौद्ध अनुयाई अपने दिवंगत माता-पिता की याद में धम्म दान देकर प्रेरणादाई कार्य कर रहे हैं**

सरोज लंजेवार, किरण मेश्राम, रेखा सहारे, मुन्नी लाकत्रे, बिंदु अम्बादे सहित बड़ी संख्या में सामाजिकगण मौजूद रहे।

### नवीन भवन के सौंदर्यीकरण के लिए खुले हाथों धम्म दान दिया अनुयायियों ने

तथागत गौतम बुद्ध की वंदना करने नवीन बुद्ध विहार आने वाले उपासक उपासिकाओं की सुविधाओं को ध्यान में रखकर अनेक बौद्ध उपासक उपाशिकाओं ने अपने दिवंगत माता-पिता की याद में खुले हाथों धम्म दान देकर प्रेरणादाई कार्य किया है। बुद्ध वासी राधिका नागदेवे बुद्ध वासी एच नागदेवे कि स्मृति में समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पुत्र सिद्धार्थ नागदेवे एवं महेंद्र नागदेवे निवासी रेल्वे चौक कि ओर से नवीन बुद्ध विहार में 1500 वॉट का अंपालिफायार मशीन मिक्सर मशीन 04 नग साउंड सिस्टम कुल कीमत 40 हजार रुपए धम्म दान दिया गया। इसी कड़ी में श्रीमती सुनीता राजकुमार नंदेश्वर कि ओर से 3 नग पंखे एवं बुद्ध वासी तानुजी बुद्धवासी बड़जा बाई एवं बुद्धवासी सुदेश सहारे कि स्मृति में रेखा सहारे कि और से 03 नग पंखे एवं बुद्धवासी परबता बाई बुद्ध वासी काशीनाथ सहारे कि स्मृति में श्रीमती कुसुम अरविन्द सहारे कि ओर से 03 नग पंखे धम्म दान के रूप मे दिया गया। बुद्धवासी शकुंतला मेश्राम बुद्धवासी शीतल प्रसाद मेश्राम कि स्मृति दिवस पर श्रीमती उर्मिला मिलिंद्र मेश्राम एवं श्रीमती निर्मला सरोज मेश्राम की ओर से नवीन बुद्ध विहार में ए सी का धम्मदान किया जावेगा। श्रीमती पंचकूला सहारे मदन बंशीलाल सहारे मीसीयाबाड़ा डोंगरगढ़ कि ओर से एक पंखा हेतु 2000 दो हजार रुपए नगद धम्म दान दिया।

धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर श्रीमती अनुसया मेश्राम, मदन मेश्राम भीमनगर डोंगरगढ़ कि ओर से अपने सुपुत्र बुद्धवासी सुभाष मेश्राम कि स्मृति में एक पंखा धम्म दान दिया गया। पूज्य माताजी बुद्धवासी बारूबाई अंबादे पूज्य पिताजी बुद्ध वासी मोहनबापू अम्बादे की स्मृति में पुत्र एवं पुत्रवधु विकास अंबादे श्रीमती विदया अंबादे भीमनगर डोंगरगढ़ की ओर से नवीन बुद्ध विहार में एक एसी का धम्म दान की घोषणा किया गया। बुद्धवासी टेकचंदजी इंदुरकर की स्मृति में श्रीमती सेवंताबाई इंदुरकर, महेंद्र इंदुरकर सुरेन्द्र इंदुरकर एवं सुशील इंदुरकर आई रमा नगर डोंगरगढ़ की ओर से 10 हजार रूपए धम्मदान दिया गया। श्रीमती सरिता सहारे कालकापारा की ओर से अपने पति एवं पुत्री बुद्धवासी आनंद सहारे बुद्ध वासी कुशी सहारे कि स्मृति में 20 हजार रूपए धम्म दान दिया गया।

# प्रेक्षक सी.एल.मार्कण्डेय ने निर्वाचक नामावली का किया अवलोकन

मोहला (दावा)। नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु नियुक्त प्रेक्षक अपर कलेक्टर सी.एल.मार्कण्डेय ने आज जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी अंतर्गत नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के विभिन्न मतदान केन्द्रों के निर्वाचक नामावली का अवलोकन किया। उन्होंने वार्ड क्रमांक 5, 6, 8, 9 एवं आत्मानंद पब्लिक स्कूल मतदान केंद्र 07, प्राथमिक शाला कान्हे एवं वार्ड क्रमांक 2 व 4, का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दरमियान सभी मतदान केन्द्रों में प्राधिकृत अधिकारी उपस्थित पाये गये। उन्होंने संधारित सभी दस्तावेजों की जाँच की। उल्लेखनीय है कि नगरीय निकाय में दावा आपत्ति लेने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर निर्धारित था, जिसे संशोधित कर 30 अक्टूबर कर दिया गया है।

उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन की तैयारी का भी जायजा लिया। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी डिप्टी कलेक्टर अविनाश ठाकुर, तहसीलदार अंबागढ़ चौकी श्रीमती अनुरीमा टोप्पो, प्रभारी तहसीलदार मोहला दिनेश कुमार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गिरीश चन्द्रा उपस्थित थे।

# पीएम आवास के लिए 28 तक निगम में दावा आपत्ति

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने नगर निगम राजनांदगांव द्वारा रेवाडीह, पेन्डीऊ लखोली, मोहारा आदि क्षेत्रों में आवास का निर्माण किया गया है, जहॉ पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार आवास आबंटित किया जा रहा है। योजना अंतर्गत दिनांक 14 अक्टूबर तक कार्यालय मे प्राप्त आवेदनों की खतौनी (आवेदनों का परीक्षण) करने के उपरांत पात्र-अपात्र आवेदनों की सूची नगर निगम के सूचना पटल पर दिनांक 14 अक्टूबर दिन सोमवार से जनसाधारण के अवलोकन हेतु प्रकाशित की गई थी। जिसके लिये 22 अक्टूबर तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया था, उक्त तिथि में वृद्धि करते हुये 28 अक्टूबर तक निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने पात्र हितग्राहियों के दावा आपत्ति तिथि में वृद्धि करते हुये 28 अक्टूबर संध्या 5:00 बजे तक निर्धारित की गयी है। ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही को ही योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि अपात्र हितग्राही भी 28 अक्टूबर तक सूची में दर्शित आपात्र आवेदक भी अपात्रता के कारण की परीक्षण कर निराकरण कर सकते, ताकि उन्हें पात्रता की सूची में लाया जा सके। निर्धारित तिथि उपरांत दावा आपत्ति पर विचार विमर्श नही किया जायेगा। दावा आपत्ति उपरांत पात्र आवेदको को नियमानुसार लाटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जायेगा।

# चारभाठा में एक दिवसीय डांस प्रतियोगिता 30 को

राजनांदगांव। ग्राम चारभांठा-ठेलकाडीह में एक दिवसीय भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता का आयोजन 30 अक्टूबर को स्टार क्लब गौरी गणेश उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों के तत्वाधान में आयोजित होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सुरेश कुमार साहू ने बताया कि सामूहिक प्रवेश शुल्क 121 रुपये व एकल-युगल 101 रुपये रखा गया है। कार्यक्रम में अनेक आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। सामूहिक पुरस्कार प्रथम 4001, द्वितीय 2501 और तृतीय 1501 व चतुर्थ 701 रुपए प्रायोजित है। इसके अतिरिक्त, युगल पुरस्कार प्रथम 1501, द्वितीय 801, तृतीय 501 रुपए, एकल पुरस्कार प्रथम 1001, द्वितीय 701, तृतीय 501 रुपए तय की गई है।

आयोजक समिति ने प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील प्रतिभागियों से की है। इस अवसर पर अध्यक्ष स्टार क्लब गौरी गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार साहू, संरक्षक कैलाश साहू सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी युवा पत्रकार संजू साहू ने दी है।

# गोविंदपुर के ग्रामीणों ने वार्ड बढ़ाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़(दावा)। गोविंदपुर के ग्रामीणों ने वार्ड बढ़ाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी( राजस्व )को ज्ञापन सौंपा। डोंगरगढ़ विकासखंड के अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत लाल बहादुर नगर सहित सभी 110 ग्राम पंचायत में वार्ड परिसीमन का कार्य इन दिनों जारी है।

**ग्राम पंचायत का चल रहा परिसीमन का कार्य**

शासन के दिशा निर्देश पर सौ मतदाताओं से अधिक होने पर वार्ड का संख्या बढ़ाई जा रही हैं ग्राम पंचायत मोतीपुर के प्रधान हीरालाल सेन सहित विभिन्न पंचों मदनलाल संतोषी बाई खिलावन साहू व ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आश्रित ग्राम गोविंदपुर में वार्ड बढ़ाने की मांग की है दावा आपत्ति प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि वार्ड की जनसंख्या 752 है और 6 वार्ड हैं जबकि परिसीमन के बाद 8 वार्ड होना चाहिए। जबकि मोतीपुर में 1060 जनसंख्या में 7 के स्थान पर 11 वार्ड बना दिए गए हैं। किंतु गोविंदपुर के साथ अन्याय किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गोविंदपुर में भी वार्डों की बढ़ोतरी करने की मांग ग्रामीणों ने की है।

# आमजनों की समस्याओं का गंभीरता पूर्वक निराकरण करें - कलेक्टर

मोहला (दावा)। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में आमजनों की शिकायतो, समस्याओं और मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुना।

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने के साथ ही नियमानुसार कार्यवाही करें। कलेक्टर जनदर्शन में आज 08 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभाग में भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर जनदर्शन में आज जिले के विकासखंड चौकी अंतर्गत ग्राम मिरचे निवासी माधुरी ने प्रधानमंत्री आवास सूची में नाम शामिल करने के संबंध में आवेदन प्रेषित किया। इसी प्रकार माडिंगपिडिंग धेनु के समस्त ग्रामवासियों ने घास भूमि को आबादी घोषित करने संबंध में आवेदन प्रेषित किया। इसी प्रकार पाउरखेड़ा ठाकुर पारा के समस्त ग्रामवासियों ने पेयजल आपूर्ति बंद होने के कारण नई बोर खनन कराने के संबंध में आवेदन दिया। इसी प्रकार समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत जक्के के नागरिकों ने भूमिगत जल संरक्षण विकास कार्य योजना में जोड़ने के संबंध में आवेदन दिया। इसी प्रकार जिले के अन्य आवेदको ने अपने आवेदन के माध्यम से अपनी समस्याओं से निजात पाने कलेक्टर से गुहार लगायी है।

# लक्ष्मीबाई स्कूल के समीप दिनदहाड़े एक दोस्त ने अपने दोस्त को चाकू घोंपकर की हत्या

**आरोपी फरार, जांच एवं पतासाजी में जुटी पुलिस**

राजनांदगांव (दावा)। शहर में चोरी, बटमारी, तलवार बाजी, लूटपाट, हत्या आदि के ग्राफ बढते ही जा रहे है। बुधवार को रानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला के समीप दिनदहाड़े एक दोस्त ने अपने दोस्त की चाकू घोप कर हत्या कर दी। हत्या भी ऐसा कि आरोपी ने अपने दोस्त पर चाकू से सात- सात बार संघातिक वार कर उसे बुरी तरह लहुलुहान कर दिया। इससे लक्ष्मी बाई स्कूल के सामने की सड़क मृतक युवक की खून से पूरी तरह रंग गया। हालांकि कि अपने दोस्त के हाथों चाकू के संघातिक वार से बुरी तरह ज़ख्मी हुए युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि उसे चाकू के वार से गंभीर अवस्था में ज़ख्मी युवक को अस्पताल ले जाने का मौका ही नहीं मिल पाया।

घटना की सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए कोतवाली थाना प्रभारी एमन साहू दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि अपने दोस्त का चाकू घोप कर हत्या करने वाला

आरोपी दोस्त घटना को अंजाम देने के बाद फरार है। थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि आरोपी के बारे में पूरी जानकारी मिल गई है उसे जल्द पकड़ लिया जाएगा। मृतक युवक का नाम कमलेश पटेल उर्फ सोनू, पिता डोमार पटेल उम्र 21 वर्ष निवासी शंकरपुर बताया जाता है।

### दोनों दोस्त नशे में थे धुत

बता दें कि मृतक सोनू के पिता डोमार पटेल बल्देव बाग रोड स्थित तहसील कार्यालय समीप चाय-पानी का होटल चलाता है। उन्होंने बताया अपने बेटे के लिए एक्सचेंज कर नई गाड़ी खरीदनी है इसलिए उसे दुकान बुलाया था। बुधवार दोपहर तकरीबन ढाई-तीन बजे उसका बेटा सोनू अपने दोस्त के साथ स्प्लैण्डर मोटर सायकल में दुकान में आया था। दोनों दोस्त स्प्लेंडर बाईक में बैठकर लक्ष्मीबाई स्कूल की ओर निकल गए। आगे दोनों के बीच जाने क्या हुआ कि उसके बेटे को उसके दोस्त ने चाकू से प्राणघातक वारकर हत्या कर दी। मृतक के पिता ने बताया कि अपने बेटे की हत्या करने वाले युवक का नाम तो नहीं जानता लेकिन आरोपी युवक जिसकी उम्र लगभग 21-22 वर्ष का है उसके पिता का नाम स्व. ललित वर्मा निवासी शंकरपुर व शांतिनगर के बीच बताया।

### खूनी घटना से दहशत में आए लोग

शहर के बीचों बीच एक ऐसे शिक्षा केंद्र के पास दिनदहाड़े हुई इस तरह की खूनी घटना से लोग दहशत में आ गए। घटना कारित होते ही वहां लोगों की भीड़ लग गई। कोतवाली थाना पुलिस के पहुंचते ही खून से सने घटना स्थल को गोल घेरे में लिया गया और पुलिस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ करने जुटे गई। साथ ही सड़क पर बिखरे खून को एकत्रित कर उसके सेंपल जांच के लिए भेज दिया गया है।

घटना स्थल के बगल में खड़ी ब्लेक कलर की स्प्लैण्डर मोटर सायकल मृतक सोनू का बताया जाता है। कोतवाली पुलिस घटना के संबंध में आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि कोतवाली पुलिस आरोपी युवक मनीष वर्मा उर्फ छोटू के बड़े भाई राजा को उठा लाया है और उसे थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि आरोपी जल्द ही पुलिस के कब्जे में होगा।

# शहर में फ्लाई ओवर के नीचे जमे वाहनों को पुलिस ने क्रेन से हटाया

**आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनजर हरकत में आई पुलिस**

राजनांदगांव (दावा)। आगामी पंच दिवसात्मक दीपावली पर्व को देखते हुए इन दिनों पुलिस प्रशासन हरकत में है। पिछले दिनों शहर में पैदल घुम घुम कर शहर के बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया, और यातायात संभव व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश दिए गए। इस क्रम में मंगलवार को पुलिस द्वारा फ्लाई ओव्हर के नीचे अवैध रूप से खड़ी वाहनों को ही क्रेन से हटाया गया। इससे यहां वाहन खड़ी रखने वाले लोगों में हड़कंप मची रही।

बता दें कि बुधवार 23 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन मुकेश ठाकुर, अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय खेस एवं यातायात टीम द्वारा आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनजर शहर में यातायात के दबाव को कम करने के लिए महावीर चौक के दोनो ओर फ्लाईओव्हर के नीचे दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों के पार्किंग हेतु अवैध रूप से खड़े वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटाया गया। सभी वाहन चालको से अपील की है कि अपने वाहन निर्धारित स्थल पर ही पार्किंग करें। यातायात व्यवस्था बनाये रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें एवं असुविधा से बचें।

# निगम में फटाका दुकान के लिये 84 अस्थाई भूखण्ड आबंटन

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता के निर्देश पर नगर निगम सभागृह में आज फटाका दुकान के लिये लाटरी के माध्यम से 85 अस्थाई भूखण्ड आबंटन लायसेंसी फटाका व्यवसायियों को किया गया। उक्त आबंटन से नगर निगम को 3 लाख 52 हजार 8 सौ रूपये की आय हुई है। फटाका दुकान म्युनिसिपल स्कूल मैदान में लगाया जायेगा।

**3 लाख 52 हजार 8 सौ रूपये की आय**

नगर निगम उपायुक्त मोबिन अली की उपस्थिति में फटाका दुकान के लिए इच्छुक लायसेंसी फटाका व्यवसायियों को लाटरी के माध्यम से अस्थाई भूखण्ड का आबंटन किया गया। उपायुक्त श्री अली ने बताया कि इस वर्ष फटाका दुकान लगाने के लिए राजस्व कार्यालय में 84 आवेदन प्राप्त हुये थे, जिसमें सभी लायसेंसी फटाका विक्रताओं द्वारा शुल्क का भुगतान किया गया। इस वर्ष प्रति दुकान के आबंटन शुल्क में 15 प्रतिशत की वृद्धि की गयी थी, जिसके तहत 4590 रूपये देकर आवेदन प्राप्त कर जमा करना था, किन्तु फटाका व्यवसायियों की मांग पर शुल्क में कमी करते हुये अस्थाई भूखण्ड शुल्क 4590 रूपये के स्थान पर व्यवसायियों से 4200 रूपये प्रति फटाका दुकान लिया गया जिससे नगर निगम को 3 लाख 52 हजार 8 सौ रूपये की आय हुई है। उन्होंने फटाका व्यवसायियों से कहा कि फटाका विक्रय के लिये शासन गाईड लाईन का पालन करते हुये, फायर सेप्टी रखना होगा। आबंटन अवसर पर राजस्व निरीक्षक हितेश ठाकुर, राजस्व उप निरीक्षक रविन्द्र ठाकुर के अलावा राजस्व विभाग का अमला सहित फटाका व्यवसायी उपस्थित थे।

# ग्राम पनेका में संचालित मेसर्स रौनक इंटरप्राइसेस में खाद्य विभाग की दबिश

**मिलावट की आशंका के आधार पर गुणवत्ता जांच हेतु लिया गया सैंपल**

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा आगामी दीपावली सहित अन्य पर्व पर खाद्य सामग्री में मिलावटी की आशंका के दृष्टिगत खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर के बाहरी हिस्से ग्राम पनेका में संचालित मेसर्स रौनक इंटरप्राइसेस पर दबिश दी। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में दुग्ध उत्पादों के साथ स्किम्ड मिल्क से पनीर, बर्फी सहित अन्य खाद्य सामग्री का निर्माण किया जा रहा था। फर्म में बड़ी मात्रा में पनीर, बर्फी, स्किम्ड मिल्क पावडर, पॉमोलीन ऑइल भी भण्डारित पाया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी डोमेन्द्र ध्रुव ने बताया कि विभाग द्वारा फर्म की लगातार निगरानी की जा रही थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान निर्माण किए जा रहे पनीर जिसे स्पांज के नाम से बाजार में विक्रय करने की तैयारी थी। जिसकी मिलावट की आशंका के आधार पर जप्त कर गुणवत्ता जांच हेतु सेंपल लिया गया है। साथ में तैयार किए जा रहे बर्फी एवं संभावित रूप से घटक के रूप में स्किम्ड मिल्क पाऊडर, पामोलीन ऑइल के उपयोग की आशंका के आधार पर अन्य सामग्री के भी नमूने गुणवत्ता जांच हेतु लिया गया है। टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 200 किलो पनीर, 650 किलो स्किम्ड मिल्क पाऊडर, 100 किलो होल मिल्क पाऊडर, 100 किलो बर्फी, 15 टीन पामोलीन ऑइल सहित कुल 3 लाख रूपए से अधिक की सामग्री जप्त कर सीज की गई है। जिसे नियमानुसार कार्रवाई कर फर्म संचालक अनुप कुमार नायक की अभिरक्षा में अभिग्रहित किया गया है। निर्माण किए जा रहे सामग्री को संभावित रूप से दीपावली पर खपाने की तैयारी थी, जिसे जप्त कर लिया गया है। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डोमेन्द्र ध्रुव, सहायक भूषण प्रताप, जितेन्द्र साहू, लक्ष्मीनारायण साहू शामिल थे।

# श्री प्रसाद इलायची दाना अमानक घोषित

**लैब रिपोर्ट में निर्धारित मानकों से पाया गया अधिक**

राजनांदगांव (दावा)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के विभाग की टीम द्वारा डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम राका स्थित एवन स्वीट्स में दबिश दी गई थी। जहां से श्री प्रसाद इलायची दाना को गुणवत्ता परीक्षण हेतु लैब जांच हेतु जप्त किया गया था। उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि श्री प्रसाद इलायची दाना की लैब जांच रिपोर्ट प्राप्त हो गई है।

लैब रिपोर्ट के अनुसार श्री प्रसाद इलायची दाना को एएसएच इनसोलुबल इन डेल्यूट एचसीएल टेस्ट में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के रूल एण्ड रेगुलेशन में निर्धारित मानकों से अधिक पाया गया है। जिस कारण खाद्य सामग्री इलायची दाना अमानक घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान ही इलायची दाना के पैकेट्स पर पैकेजिंग लेबलिंग रेग्युलेशन का उल्लंघन पाया गया था। समस्त दस्तावेजों की प्राप्ति एवं विवेचना के बाद संबधित पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# नई सोच कड़ी मेहनत के साथ संगठन को मजबूत करें - संपत कुमार

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के प्रभारी नियुक्त होने के बाद अपने प्रभार क्षेत्रों में निकले राजनांदगांव पहुंचे और आगामी चुनाव के मद्देनजर 23 अक्टूबर बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व छग सह-प्रभारी एस.ए. संपत कुमार शहर कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आज से नई सोच नया कांग्रेस के संकल्प, कडी मेहनत के साथ संगठन को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि राजनीति में हार और जीत तो लगी रहती है इसमें हताश होने वाली कोई बात नहीं है अपने पूरे मनोबल और पूरी उर्जा के साथ लड़ेंगे। हम जनता के हक और अधिकार के लिए सदैव आवाज बुलंद करेंगे।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा अंहिसा के पुजारी पुज्य महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण का विधिवत बैठक की शुरूआत की। इस दौरान कांग्रेसजनों द्वारा अतिथि को फुलमालाओं से स्वागत किया। बैठक में सर्वप्रथम शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा द्वारा स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सबसे पहले तो संगठन की ओर से उपस्थित अतिथि को स्वागत व अभिनंदन करता हूं, विगत दोनों चुनाव में कांग्रेसजन ने कड़ी मेहनत की फिर भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आया। राजनांदगांव के कांग्रेसजन सदैव जनता के हितों के लिए संघर्ष करते आये है। हमारे द्वारा विगत दिनों बिजली की समस्या को लेकर धरना-प्रदर्शन किया जिसका काफी हद तक हमको सफलता भी मिली। हम कांग्रेसजन जनता के हितों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं और जनहित के मुद्दें को लेकर कांग्रेस सदैव सड़क की लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ती रहेगी।

शहर जिला कांग्रेस प्रभारी बृजेश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यहां 15 साल से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का क्षेत्र है यहां के हमारे कांग्रेस के कार्यकर्ता 15 साल से लंबी लड़ाई लड़ रहे है और यहां के कार्यकर्ताओं बिना किसी लोभ, लालच के झंडा उठाया हुए है यह इस बात का प्रमाण है कि यहां के कांग्रेसी कितने संघर्षशील है। यहां के कार्यकर्ता की मेहनत को कम नहीं आंका जा सकता। कांग्रेसजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखने को मिल रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व छग सह-प्रभारी एस.ए. संपत कुमार कांग्रेसजनों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कांग्रेसजन पिछले चुनाव में भरपूर मेहनत की फिर भी आशाजनक परिणाम नहीं मिले। इनकी हमें समीक्षा कर आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि राजनीति में हार और जीत तो लगी रहती है इसमें हताश होने वाली कोई बात नहीं है हम फिर से उठेंगे और पूरी उर्जा के साथ लडेंगे। आज 23 अक्टूबर से पहले की बातों को भूलकर आज से सिर्फ यह याद रखे कि हम कांग्रेसी है कांग्रेस के लिए काम करना है। नया अध्याय और नई सोच के साथ पूरी उर्जा के साथ काम करे, संगठन की मजबूती के लिए आम जनमानस को कांग्रेस की रीति व नीति को अवगत कराते हुए नौजवानों को जोडे। आगामी चुनाव के लिए अभी से एकजुट होकर तैयारी शुरू करे परिणाम सुखद मिलेगा। बैठक को पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, पूर्व युवा आयोग के अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, महापौर हेमा देशमुख, वरिष्ठ कांग्रेसी रमेश डाकलिया, कुतबुद्दीन सोलंकी, संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिन्टू, श्रीकिशन खंडेलवाल, पीसीसी महासचिव शाहिद खान, मेहुल मारू, ब्लॉक अध्यक्षद्वय आसिफ अली, सूर्यकांत जैन ने संबोधित किया। उपस्थित कांग्रेसजनों का झम्मन देवांगन ने आभार जताया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com